हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 24 मार्च 2024

11 हरियाणा केंद्रीय विवि में सात करोड़ की लागत से बनेगा सिंथेटिक ट्रैक

12 33 हजार एकड़ फसल के आंकड़े का नहीं हुआ मिलान

नारनौल शहर में पहली बार
विश्वस्तरीय व आधुनिक तकनीक से लैश
गैस्ट्रोएन्टेरोलॉजी विभाग
आँत, पेट, लीवर व पैनक्रियाज से सम्बंधित बिमारीयाँ
एण्डोस्कोपी, कॉलोनोस्कोपी एवं ERCP की सुविधा

डॉ. अशोक कुमार
MBBS, MD Medicine (GMCH, Chandigarh)
DM Gastroenterology (DMCH, Ludhiana)
Ex. Const. Saroj Super Speciality Hospital, Delhi
Ex. Const. Jaipur Golden Hospital, Delhi
Ex. Sr. Const. Ujala Sygnus : Sonia Hospital, Delhi
रेवाड़ी, जयपुर एवं दिल्ली की सभी सुविधाएं नारनौल में पहली बार
27 मार्च 2024 से नियमित ओपीडी सेवाऐं
24 घण्टे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रेनबो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सैन्टर
सिंघाना रोड, महावीर चौक, नारनौल (हरि.)
Ph. 01282-298621, 9991116314

खबर संक्षेप

बव्वा में 3 दिवसीय माता शीतला मेला एक से

कनीना। गांव बव्वा में तीन दिवसीय शीतला माता मेला एक अप्रैल शुरू होगा। मेला कमेटी इसकी तैयारियां कर रही हैं। राजीव यादव ने बतया कि एक अप्रैल रात्रि जागरण होगा। जिसमें भजन गायक रातभर माता की स्तुती करेंगे। उन्होंने बताया कि दो अप्रैल को सुबह 10 बजे भंडारे का आयोजन किया जाएगा। तीन अप्रैल को लगने वाले मेले में दूर-दराज से आए श्रद्धालु हिस्सा लेंगे।

बाबा गैबीराम का मेला व खेल प्रतियोगिता कल

मंडी अटेली। बाबा गैबीराम का विशाल मेला गांव गुवानी में 25 मार्च को धुलंडी के दिन भरेगा। विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं होगी। जिला प्रमुख डा. राकेश कुमार, बीडीसी चेयरमैन प्रतिनिधि राजकुमार विशेष रूप से शामिल होंगे। सरपंच प्रतिनिधि दिनेश यादव ने बताया कि कुश्तियां 51 से 51 हजार तक करवाई जाएंगी। कबड्डी में प्रथम विजेता टीम को 51 हजार तथा द्वितीय टीम को 31 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं वालीबाल समेसिंग प्रतियोगिता में प्रथम टीम को 51 हजार तथा द्वितीय टीम को 31 हजार का पुरस्कार दिया जाएगा।

मुख्य डाकघर का स्विच खराब, त्योहारी सीजन में उपभोक्ता परेशान

हर रोज एक करोड़ का लेन-देन प्रभावित

मुख्य डाकघर में इंटरनेट सप्लाई करने वाली मशीन शुक्रवार दोपहर को करीब डेढ़ हो गई थी खराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मुख्य डाकघर का दो दिनों से स्विच (राउटर स्विच, विभिन्न कंप्यूटरों को नेटवर्किंग से जोड़ने एवं इंटरनेट सप्लाई करने वाली मशीन) खराब होने से लेन-देन एवं अन्य आवश्यक कार्य ठप हैं। जिससे ससाल के लेखा जोखा के साथ बुजुर्गों की पेंशन भी अटक गई हैं। इससे डाकघर का करीब एक करोड़ का लेन प्रतिदिनि के हिसाब से प्रभावित हो रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 के अंतिम दिन होने के कारण ग्राहक दो दिनों से बार चक्कर काट रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा। खाबस बात यह है कि गुरुग्राम मंडल कार्यालय में भी मशीन उपलब्ध नहीं है तथा बंगलौर से मशीन आने तक समस्या का समाधान संभव नहीं दिख रहा।

कम्प्यूटरीकृत राजीव चौक स्थित मुख्य डाकघर में स्विच मशीन खराब होने से कम्प्यूटर धोखा दे गए हैं। इससे अधिकारी एवं कर्मचारी आवश्यक कार्य नहीं निपटा रहे हैं व मुख्य डाकघर आने वाले भी निराश होकर दो दिनों से वापिस लौट रहे हैं। डाकघर में शुक्रवार को सामान्य रूप से काम चल रहा था। अचानक दोपहर को करीब डेढ़ बजे अचानक कंप्यूटर नेटवर्किंग मशीन यानि स्विच में खराबी आ गई। यह खराबी होने से कंप्यूटरों ने काम करना बंद कर दिया और पूरा डाकघर ठप हो गया। जिससे 31 मार्च तक साल का लेखा जोखा अटकने के साथ बुजुर्गों की पेंशन भी अटक गई। जिससे बुजुर्गों को डाकघर के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। इस मशीन की खराबी से डाकघर के सभी कर्मचारी एवं अधिकारी एकतरह से पंगु हो गए और वह कोई आवश्यक कार्य कंप्यूटरों पर नहीं निपटा सके।

नारनौल। डाकघर में मौजूद पेंशन लेने के लिए आए बुजुर्ग व अन्य ग्राहक, डाकघर में खराब पड़ी मशीन व डाकघर के काउंटर पर खड़े लोग। फोटो : हरिभूमि।

डाकखाना आने बालों को परेशानी

मुख्य डाकघर द्वारा अनेक सरकारी योजनाएं भी चलाई जा रही हैं, जिनमें लोग अपनी किस्त जमा कराने आते हैं। मासिक अंतिम दिन होने के कारण मशीन खराबी के चलते अनेक लोग इससे वंचित रह गए। अब उन्हें समय पर किस्त जमा नहीं कराने पर अतिरिक्त चार्ज देना पड़ेगा। सैकड़ों ग्राहक ऐसे भी हैं, जो एजेंटों के जरिए रोजाना खातों में पैसे जमा करवाते हैं, लेकिन यह पैसे भी जमा नहीं हो पा रहे और उन्हें तकनीकी खराबी के चलते बैरंग ही लौटाया जा रहा है।

यह कहते हैं अधिकारी

मार्च महीने के अंतिम दिन होने के चलते अब फाईनेंशियल क्लोजिंग चल रही है, लेकिन मशीन खराब होने के कारण सारा कामकाज ठप हो गया है। रात को भी वह परेशान रहे और सो नहीं पाए। पूरा सिस्टम ही ठप हो गया है। आम ग्राहकों समेत बुजुर्गों तक को पेंशन नहीं बांटी जा पा रही। मशीन खराब होने पर उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया है। अब मंगलवार तक मशीन आने पर ही काम चल पाएगा।
-अशोक गर्ग, डाकपाल, मुख्य डाकघर, नारनौल।

लोकल नहीं मिली मशीन

मुख्य डाकघर में जो पोर्ट खराब हुआ है, वह 48 स्विच का है। इस मशीन को खोजने के लिए मुख्य डाकघर के कंप्यूटर विशेषज्ञों ने हाथ-पैर विभिन्न जगहों पर मारे, लेकिन नारनौल शहर में 48 पोर्ट की मशीन उपलब्ध नहीं मिली। कमाल की बात यह है कि यह मशीन बैंग्लोर से मंगवाने की बातें की जा रही है। जिससे उच्चाधिकारियों को मशीन की खराबी से लिखित में अवगत करवा दिया है। अब इस मशीन के मंगलवार तक आने की उम्मीद है।

बुजुर्ग हुए सबसे ज्यादा निराश

बुढ़ापा पेंशन वितरण का कार्य मुख्य डाकघर के जरिए किया जाता है। शहर में 31 वार्ड बने हुए हैं तथा विभिन्न वार्डों का ग्रुप बनाकर उन्हें एक-एक दिन डाकघर बुलाया जाता है, ताकि उन्हें ज्यादा परेशानी न हो। महीने के अंतिम दिन एवं होली पर्व होने के चलते बुजुर्ग एवं अन्य लोग पैसे का लेन-देन करने के लिए मुख्य डाकघर पहुंचे, लेकिन उन्हें न तो पेंशन वितरित की जा सकी और न ही उनके अन्य कार्य निपटाए जा सके। मुख्य डाकघर में एक दिन में करीब 15 लाख रुपये पेंशन के रूप में वितरित किए जाते हैं।

होली पर्व आज, रात 11:15 बजे के बाद होलिका दहन का उचित समय

नारनौल। होली पर्व 24 मार्च को मनाया जाएगा। विष्णुपुराण के अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि अग्नि उसे जला नहीं सकती थी। अतः भतीजे प्रहलाद को मारने के लिए अपनी गोद में बिठाकर अग्नि प्रवेश कर लिया, लेकिन प्रभु कृपा से प्रहलाद बच गए और होलिका अग्नि में जल गई। तब से ही अधर्म पर धर्म की विजय के उपलक्ष्य में होलिका दहन किया जाता है। अगले दिन सुबह एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर गिले शिकवे मिटाए जाते हैं। आचार्य क्रांति निर्मल शास्त्री ने बताया कि पूर्णिमा तिथि 24 मार्च को प्रातः 9:54 बजे प्रारंभ होगी तथा 25 मार्च को दोपहर 12:29 पर समाप्त होगी। शास्त्रानुसार फाल्गुन मास की प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा तिथि में होलिका दहन करने का विधान है। मुहूर्त 24 मार्च को प्राप्त हो रहा है, लेकिन इस दिन प्रातः 9:54 से रात्रि 11:14 तक भद्रा का साया रहेगा। ऐसे में भद्राकाल में होली का पूजन व दहन दोनों ही निषेध है। अतः भद्रा पूर्व प्रातः 8 बजे से 9:54 तक होली पूजन व भद्रा समाप्ति के पश्चात रात्रि 11:15 के बाद होलिका दहन करना शुभ रहेगा। वहीं पंडित सुरेंद्र खटोटी ने बताया कि होली का दहन 24 मार्च मध्यरात्रि बाद करना उचित रहेगा।

क्रांति निर्मल शास्त्री।

ड्रिंक के नाम पर ठगी के आरोपितों से 5.75 लाख बरामद, 112 पेटी रेडबुल ड्रिंक की बरामद

नारनौल। साइबर पुलिस ने रेडबुल ड्रिंक के नाम पर ठगी के आरोपितों ने पांच लाख 75 हजार की नकदी व 112 रेडबुल ड्रिंक पेटी बरामद की। प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि साइबर पुलिस ने दो आरोपित रवि वासी जमालपुर थाना मुंगेर बिहार हाल आबाद रॉयल सिटी छपरोला अच्छेजहां थाना बादलपुर यूपी व सौरभ वासी कर्ण विहार नई दिल्ली को सोनीपत क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। जिसने रेडबुल ड्रिंक के ऑर्डर के नाम पर करीब 10 लाख 44 हजार रुपये की ठगी की थी। रिमांड के दौरान आरोपितों से पूछताछ में पांच लाख 75 हजार रुपये की नकदी व 112 रेडबुल ड्रिंक पेटी बरामद की हैं।

Take a Step towards Bright Future.......
HARYANA SR. SEC. SCHOOL
Permanently Recognised Upto 10+2
Mohalla - Choudhariyan, Narnaul
Ph. 01282-252323, M: 9416478404, 8059822223
Medical, Non-Medical, Commerce, Arts

We Create:
DOCTORS
ENGINEERS
PLAYERS
OFFICERS
LAWYERS
C.A.

आप सभी को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
HAPPY HOLI

बच्चों के उज्वल भविष्य, सर्वांगीण विकास, उच्च शिक्षा अनुशासन, नैतिकता एवं संस्कारों का मंदिर

Spacious Airy Rooms and Playground
Well Equipped Science Labs and Library
Well Educated and Experienced Staff
Water Cooler with R.O. Facility
Maximum Merits in Board Classes

Chairman:
Hitender Sharma

Director:
Sangeeta Sharma

खबर संक्षेप

मोहल्ला पुरानी सराय में माता की चौकी लगाई

नारनौल। टाईगर क्लब के तत्वावधान में शुक्रवार रात को प्रकाश सैनी के निवास स्थान मोहल्ला पुरानी सराय में माता की चौकी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रकाश सैनी व उनकी पत्नी यजमान थे। पंडित नारायण शास्त्री ने विधिवत पूजन करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता टाईगर क्लब संरक्षक डा. शिवकुमार, प्रधान राकेश यादव, कोषाध्यक्ष राजेश सैनी, टीटू सोनी ने संयुक्त रूप से की।

बजरंग दल का नारा सेवा सुरक्षा संस्कार: पुनीत

मंडी अटेली। जिला बजरंग दल अभ्यास वर्ग क्षेत्र के गांव दौंगड़ा अहीर के श्याम मंदिर में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष सांवत सिंह व जिला संयोजक पुनीत कलवाड़ी विशेष रूप से उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष सांवत सिंह ने अपने संबोधन में कार्य विस्तार और आचार्य पद्धति पर विशेष बल दिया। इस मौके पर जिला संयोजक पुनीत कलवाड़ी ने बजरंग दल की स्थापना व बजरंग दल का नारा सेवा सुरक्षा और संस्कार के बारे में बताया।

सरकारी स्कूल के बच्चे ने पास की सैनिक स्कूल परीक्षा

नारनौल। राजकीय प्राथमिक पाठशाला खड़खड़ी के पांचवीं कक्षा के छात्र अंशज पुत्र विजय सिंह मोहल्ला वृंदावन कॉलोनी ने सैनिक स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। छात्र अंशज इसके साथ-साथ गुरुकुल कुरुक्षेत्र की ओर से आयोजित छठी कक्षा के दाखिले की परीक्षा भी इसी सत्र में पास कर चुका है।

लापता बच्चे को परिजनों से मिलाया

नारनौल। घर से लापता नाबालिग बच्चे को पुलिस ने रिंगस से बरामद किया है, जो दोस्त के साथ खेलते-खेलते घर से चला गया था। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि थाना निजामपुर की पुलिस टीम ने लापता नाबालिग बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। निजामपुर क्षेत्र से बच्चा अपने दोस्त के साथ खेलते-खेलते घर से चला गया था। काफी समय बाद भी जब बच्चा घर नहीं लौटा तो परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। काफी मशक्कत करने के बाद बच्चे को पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्चे के साथ उसका दोस्त भी था, जिसे भी सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

होली मिलन समारोह कल

सतनाली मंडी। श्रीराम प्रभात फेरी सत्संग समिति के तत्वावधान में सोमवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति सदस्य महेश माधोगढ़िया ने बताया कि समिति की ओर से लक्ष्मी नारायण मंदिर में दोपहर एक बजे से सायं पांच बजे तक कार्यक्रम किया जाएगा।

जिले में विभिन्न जगहों पर लगाए जाएंगे पुलिस नाके, पुलिस की रहेगी विशेष नाकाबंदी

होली पर हुड़दंग करने वालों के खिलाफ पुलिस करेगी सख्त कार्रवाई: एसपी

- शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

होली पर्व पर हुड़दंगबाजी करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। शरारती तत्वों पर कार्रवाई करने के लिए पुलिस की ओर से विभिन्न जगहों पर नाके लगाकर विशेष नाकाबंदी की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने जिला वासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली के इस खास अवसर पर आपसी भाईचारा बनाए रखे और इस पर्व को शांतिपूर्वक व सुरक्षित तरीके से मनाएं। इसी के साथ कहा कि शरारती तत्वों व अपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने वालों के लिए कड़ी चेतावनी है कि वे किसी भी प्रकार की शरारत, हुड़दंगबाजी व अपराधिक गतिविधि ना करें। निगरानी हेतु पुलिस की विशेष नाकाबंदी व ड्यूटी तैनात रहेगी। एसपी ने कहा कि पुलिस महानिदेशक की ओर से दिए गए निर्देशों के अनुसार सभी पुलिस अधिकारियों को इस पावन पर्व के अवसर पर जिलेभर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए हैं। जिसको लेकर जिलेभर में नाके लगाए गए हैं, जिन पर पुलिस

कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इसके साथ ही दो रिजर्व टीम भी बनाई गई हैं।

होली पर यह न करें, वरना होगी कार्रवाई : होली पर शराब सेवन करके वाहन न चलाए, होली खेलने के लिए किसी के साथ जबरदस्ती ना करें, राहगीरों पर गुलाल या पानी फेंककर तंग ना करें, किसी भी प्रकार की हुड़दंगबाजी ना करें। उन्होंने कहा कि अगर कोई ऐसा करते हुए पाया गया या इस प्रकार की किसी के खिलाफ शिकायत मिली तो पुलिस की ओर से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शरारती तत्वों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

पुलिस ने होली पर्व के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पर्याप्त व्यापक प्रबंध किए हैं। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर विशेष रूप से नजर रखी जाएगी। पुलिस की ओर से सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिलेभर में नाके लगाए गए हैं। साथ ही असामाजिक तत्वों पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी। एसपी ने कहा कि किसी भी गैरकानूनी गतिविधि में लिप्त पाए जाने वालों पर कानून के अनुसार सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील की है कि पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए इस अवसर पर ऐसे पदार्थों का इस्तेमाल ना करें जिससे किसी व्यक्ति को हानि पहुंचे। होली के अवसर ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करें और अगर आपको किसी प्रकार की संदिग्ध सूचना या कोई अपराधिक गतिविधि के बारे में पता चलता है तो उसकी सूचना डायल 112 या नजदीकी थाना-चौकी को दें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी तरह की अफवाह पर पर ध्यान ना दें, कोई भी गड़बड़ी होने पर तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दें। इसके अलावा नशे के कारोबारी की भी सूचना दें।

नांगल चौधरी। मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित करते संस्था के चेयरमैन दयाराम यादव।

प्रतिभाओं को सम्मानित करके बढ़ाया हौसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में प्राचार्य राजेश कुमार की अध्यक्षता में मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें स्कूल के चेयरमैन दयाराम यादव ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने जरूरतमंदों को प्रोत्साहित करके उन्हें परिश्रम में निखार लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रतिभा सभी विद्यार्थियों में होती है, लेकिन सभी में एक समान नहीं होती। इसलिए शिक्षकों को एक-एक विद्यार्थी की प्रतिभा का आंकलन करके उसे अवगत करवाने की जरूरत है। चेयरमैन ने कहा कि प्रतिभाशाली बच्चे को प्रोत्साहन मिलने पर उन्हें प्रदर्शन में निखार लाने का संदेश मिलता है। साथ ही पुरस्कार वितरण से आत्मिक विश्वास मजबूत होगा और बच्चे लक्ष्य निर्धारित करके पढ़ाई कर सकेंगे। इसके बाद एकेडमिक परीक्षा में टॉपर रहे विद्यार्थियों को मेडल व डिजिटल वॉच देकर सम्मानित किया। स्कॉलरशिप परीक्षा के टॉपर 60 विद्यार्थियों को शुल्क में 15 से 7 हजार तक की छूट मुहैया करवाई गई। इस मौके पर प्रबंधक निदेशक अमित यादव ने स्कूल की खेल, सांस्कृतिक व प्रतियोगिक उपलब्धियों से अभिभावकों को अवगत करवाया।

- प्रतिभा सभी विद्यार्थियों में होती है, लेकिन सभी में समान नहीं होती।
- एकेडमिक परीक्षा में टॉपर रहे विद्यार्थियों को मेडल व डिजिटल वॉच देकर सम्मानित किया।

विजय इंटरनेशनल स्कूल में मनाया शहीदी दिवस

- भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव राष्ट्र की स्वतंत्रता और एकता के लिए अहम व्यक्ति: चेयरमैन विजय यादव टूमना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते चेयरमैन विजय यादव टूमना व अन्य। फोटो: हरिभूमि

विजय इंटरनेशनल स्कूल, बलाना में देश के महान क्रांतिकारी एवं स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को नमन कर शहीदी दिवस मनाया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन विजय यादव टूमना, प्राचार्य डॉ. एसएस यादव एवं उप-प्राचार्य नत्थू सिंह ने शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने कहा कि 23 मार्च का यह दिन पूरे देश में ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि यह भारतीय स्वतंत्रता की संघर्ष में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत की वर्षगांठ के रूप में जाना जाता है, जो राष्ट्र की स्वतंत्रता और एकता के लिए अहम व्यक्ति थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अनेक गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया। छात्रों ने देशभक्ति और समर्पण के भाव को बढ़ावा देते हुए कविताओं और भाषणों का प्रस्तुतीकरण किया। प्राचार्य डॉ. एसएस यादव ने छात्रों को भगत सिंह, राजगुरु, और सुखदेव के जीवन और विचारधारा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी, और राष्ट्र के प्रति साहस, बलिदान, और समर्पण के महत्व को उजागर किया। उप-प्राचार्य नत्थू सिंह ने बताया कि भगत सिंह, राजगुरु, और सुखदेव भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अद्वितीय और शौर्यपूर्ण योद्धाओं थे। जिनकी शहादत भारतीय इतिहास में अमर है। उन्होंने अपनी जान की आहुति देकर भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ा और अपने अदम्य साहस और निष्ठा का परिचय दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों की शहादत को दिखाने वाली डॉक्यूमेंट्री का भी प्रसारण किया। जिससे छात्रों के भावनात्मक विकास में मदद मिली। इन स्मृतियों को धारण करके विद्यार्थियों ने शहीदों की विरासत को संरक्षित रखने और राष्ट्रवादी नागरिकों की नस्ल को पोषण करने का आश्वासन दिया।

महेंद्रगढ़। शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्पार्पित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

आकाश इंस्टीट्यूट में मनाया शहीदी दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आकाश इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कनीना में शनिवार को शहीदी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में संस्था मैनेजिंग डायरेक्टर एडवोकेट विनय प्रकाश यादव ने भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव महान क्रांतिकारियों को पुष्पार्पित कर श्रद्धांजलि दी।

प्राचार्य राहुल यादव ने उन शहीदों की कुर्बानियों के बारे में विद्यार्थियों से कहा कि जो आज हम खुले हवा में साथ ले रहे हैं, वह सब शहीदों की कुर्बानियों की वजह से ले रहे हैं, जिन्होंने भारत माता को आजाद करवाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। इस दौरान सभी विद्यार्थियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर वाइस प्राचार्य अशोक कुमार, एचओडी संजीत कुमार, विजय कुमार, जितेंद्र सिंह, संदीप सिंह, पवन कुमार, राकेश कुमार, विनीत कुमार व विकास कुमार आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव को किया याद

नांगल चौधरी। लंबोरिया एकेडमी बूढ़वाल में शहीदी दिवस व होली मिलन समारोह एमडी राजपाल लंबोरा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिसमें संस्था के चेयरमैन हजारीलाल लंबोरा ने शहीदों को पुष्प अर्पित किए तथा विद्यार्थियों को शहीदों की जीवनी से अवगत करवाया। कार्यक्रम में युवाओं को गुलाल होली खेलने के लिए प्रेरित किया, जिससे पानी की बर्बादी पर अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि शहीदों की कोई जाति या धर्म नहीं होता, क्योंकि उन्होंने संपूर्ण राष्ट्र की सुरक्षा और सम्मान के लिए बलिदान दिया था। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की जीवनी का प्रत्येक प्रसंग जोश, जुनून व देशभक्ति से सरोबोर है। इस मौके पर प्राचार्य राजबीर सिंह, सरजीत लंबोरा, पवन कुमार, दिनेश, कृष्ण कुमार, राजेश रावत, सुशीला, प्रियंका, सर्मेश, ममता मौजूद रही।

यदुवंशी थनवास में मनाया शहीदी दिवस

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन थनवास में भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव को शहीदी दिवस पर याद किया गया। विद्यालय डायरेक्टर सुनिता यादव, प्राचार्य रमेश यादव व समस्त शिक्षकों ने भगतसिंह के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की तथा उनको नमन किया। विद्यालय के हिन्दी शिक्षक सुरेश सैनी ने भगतसिंह की जीवनी के बारे मे बताते हुए कहा कि भगतसिंह ने मात्र 23 साल की उम्र में हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूम लिया। उन्होंने अंग्रेजी शासन की भरपूर खिलाफत की तथा अंग्रेजों के खौफनाक अधिकारी सांडर्स को मार दिया। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने बच्चों को भगतसिंह के जीवन पथ पर चलने की प्रेरणा दी। डायरेक्टर सुनिता यादव ने कहा कि हमें भगतसिंह, सुखदेव तथा राजगुरु की तरह बनना चाहिए। प्राचार्य रमेश यादव ने बताया कि भगतसिंह एक महान क्रांतिकारी थे।

यदुवंशी कॉलेज के दो विद्यार्थी आईआईटी जैम में हुए उत्तीर्ण

नारनौल। आईआईटी मद्रास की ओर से आयोजित आईआईटी जैम परीक्षा में यदुवंशी डिग्री कॉलेज के गणित विभाग के दो विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। कॉलेज के छात्र कमल पुत्र बलवंत सिंह ने पूरे देश में 552वां रैंक व कॉलेज की छात्रा मुस्कान पुत्री अजित सिंह ने 3857वां रैंक हासिल कर परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस सफलता पर यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई दी। इस अवसर पर डायरेक्टर सुरेश यादव, डा. प्रदीप यादव, उपप्राचार्या डा. सोनल यादव, बीएड प्रिंसिपल बजरंग लाल, कॉलेज के गणित विभाग के प्रमुख निशांत यादव ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

छात्र कमल

छात्रा मुस्कान

भाजपा किसान मोर्चा की जिला कार्य समिति की बैठक

मंडी अटेली। अटेली के निजी होटल में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को जिला अध्यक्ष पवन खैरवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के शुभारंभ भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं शहीदी दिवस अमर शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस पर पुष्प अर्पित कर उनको याद किया गया। इस बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश के महामंत्री वीरेंद्र सिंह चेयरमैन रहे। बैठक में विशेष रूप से भारतीय जनता पार्टी जिला महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष दयाराम यादव भी उपस्थित रहे।

केजरीवाल की गिरफ्तारी की निंदा

महेंद्रगढ़। आम आदमी पार्टी के प्रदेशा उपाध्यक्ष डॉ. मनीष यादव ने कहा कि पार्टी के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को रात के समय गिरफ्तार करना सरासर गलत हैं। उन्होंने कहा कि शराब नीति के मनी लांड्री केस में गिरफ्तार किया है। इससे पहले अरविंद केजरीवाल को आठ समन भेजे थे, लेकिन केजरीवाल ने इन्हे असंवैधानिक बताते हुए नकार दिया था। डॉ. यादव ने कहा आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता देश में लोकतंत्र बचा रहे। संवैधानिक अधिकार सुरक्षित रहे इसके लिए संघर्ष करते रहेंगे। लोकसभा चुनाव में जनता इस बार देश बचाने के लिए भाजपा के खिलाफ वोट करेगी और लोकसभा में आम आदमी के साथ साथ इंडिया गठबंधन को सरकार की बागडोर सौंपेगी।

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थी व अतिथिगण। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस जखराना में वार्षिकोत्सव आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया

राजस्थान पब्लिक स्कूल जखराना में वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने मुख्य अतिथि राजीव रंजन झा, अध्यक्ष डा. शानू यादव, गेस्ट ऑफ ऑनर सूरजभान मेहरा, विष्णुदत्त स्वामी, विशिष्ट अतिथि कैप्टन आरडी यादव का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की शुरूआत पीजी कॉलेज की छात्राओं ने विद्या की देवी मां सरस्वती की वंदना से की। विद्यालय के उपप्राचार्य योगेश यादव ने विद्यालय की वार्षिक प्रतिवेदना प्रस्तुत की।

समारोह के अंत में मुख्य अतिथि ने बच्चों को पुरस्कार वितरित किए। मंच संचालन संस्था के व्याख्याता सोमदत्त शर्मा व वंदना यादव ने किया। इस मौके पर वीरसिंह, वाइस चेयरपर्सन डा. उषा यादव, प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, कैप्टन आरडी यादव, विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के प्राचार्य विनोद यादव आदि मौजूद थे।

आरपीएस में शहीदी दिवस पर देश के वीर शहीदों को किया नमन

- शहीदों की बदौलत से आज हम खुली हवा में ले रहे हैं सांस: डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस विद्यालय खातोद में शहीदी दिवस मनाया गया। इस दौरान देश पर अपने प्राणों का बलिदान करने वाले वीर शहीदों को नमन किया गया तथा बच्चों को देश की रक्षा, एकता व अखंडता के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वीर शहीदों के चित्र पर पुष्पार्पित कर मुख्यातिथि आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने किया। इस दौरान ग्रुप के सीईओ इंजी. मनीष राव ने भी वीर शहीदों को नमन करते हुए बच्चों को वीर शहीदों के दिखाए देशभक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के दौरान ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने बच्चों को बताया कि शहीदी दिवस पर आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों को कुर्बान करने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बताया कि शहीदों के सम्मान और उनके बलिदान को याद करने के लिए शहीद दिवस मनाया जाता है। स मौके पर विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बार उपप्रधान सुनील राव बने कोप्टिड मेंबर

कनीना। बार एसोसिएशन उपप्रधान सुनील राव ककरालियां को बार काउंसिल पंजाब एवं हरियाणा चंडीगढ़ की एडमिनिस्ट्रेटिव कमेटी के कोप्टिड मेंबर बनाया गया है। सुनील राव ककरालिया ने कहा कि उसे जो जिम्मेवारी दी गई है, उसे वह पूरी ईमानदारी निष्ठा से निभाएंगा। उन्होंने इस नियुक्ति पर बार काउंसिल मेंबर जयवीर यादव का आभार जताया है। इस नियुक्ति पर कनीना के अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल है।

गांव मांडोला के तहसील कार्यालय बदलने की प्रक्रिया हुई शुरू: बलवान फौजी

महेंद्रगढ़। गांव मांडोला का तहसील कार्यालय बदलवाने की मांग को लेकर शनिवार को महेंद्रगढ़ विधानसभा प्रत्याशी बलवान फौजी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बलवान फौजी ने कहा कि पिछले दिनों उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर तहसील कार्यालय बदलवाने की मांग को लेकर एसडीएम के माध्यम से सरकार को ज्ञापन भेजा था। अब गांव मांडोला के तहसील कार्यालय बदलवाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी हैं।

राजनीति | कांग्रेस की आपसी फूट के कारण छोड़ी पार्टी, जेजेपी में कार्यकर्ता को मिलता है पूरा सम्मान

देवीलाल परिवार से पुराना नाता, टिकट मिलेगी तो भारी वोटों से जीतेंगे चुनाव: राव बहादुर सिंह

- 10 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद कांग्रेस पार्टी संगठन नहीं बना पाई।
- दुष्यंत चौटाला के विचारों से प्रभावित होकर उन्होंने जेजेपी पार्टी ज्वाइन की हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

देवीलाल परिवार से उनका पुराना नाता हैं। जेजेपी पार्टी में आकर लग रहा है कि उनकी घर में वापसी हुई है। अगर पार्टी उन्हें लोकसभा की टिकट देती है तो भारी मतों से चुनाव जीतकर क्षेत्र का विकास कराएंगे। उक्त विचार कांग्रेस पार्टी छोड़कर जेजेपी में शामिल हुए पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि वह एक साधारण परिवार से संबंध रखते हैं। देवीलाल परिवार उन पर विश्वास जताकर वर्ष 2009 में विधानसभा की टिकट दी थी। विपक्ष होने के बाद बावजूद भी उन्होंने नांगल चौधरी क्षेत्र को विकास के मामले में पीछे नहीं रहना दिया। इसके बाद पार्टी हाईकमान उन्होंने इनेलो पार्टी से लोकसभा चुनाव लड़ा। मोदी लहर होने के बाद भी वह दूसरे स्थान पर रहें तथा

महेंद्रगढ़। पत्रकार वार्ता करते जजपा नेता राव बहादुर सिंह। फोटो: हरिभूमि

करीब 45 हजार वोट से चुनाव हार गए। इसके बाद चौटाला परिवार की आपसी फूट के कारण पार्टी को छोड़ना पड़ा। इसके बाद उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद सिंह पर विश्वास करके कांग्रेस पार्टी ज्वाईन कर ली। उन्होंने वर्ष 2019 चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की पूरी मदद भी की। लेकिन 10 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद कांग्रेस पार्टी संगठन नहीं बना पाई। संगठन नहीं होने के कारण पार्टी को इसका खामियाजा भुगना पड़ा तथा आगामी चुनाव में भी भुगतना पड़ेगा। पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि जेजेपी पार्टी को 2019 के चुनाव से पहले अस्तित्व में आई थी। केवल छह माह की तैयारी के बाद भी जेजेपी ने विधानसभा चुनाव में 10 सीट पर जीत हासिल की। प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पार्टी को खड़ा करने में जी तोड़कर मेहनत की हैं। दुष्यंत चौटाला के विचारों से प्रभावित होकर उन्होंने जेजेपी पार्टी ज्वाइन की हैं। वह दुष्यंत चौटाला में स्व. देवीलाल की छवि देखते हैं। देवीलाल परिवार ने हमेशा अपने-अपने छोटे से छोटे कार्यकर्ता का सम्मान किया हैं। स्व. देवीलाल ने अहीरवाल क्षेत्र के लिए बहुत कुछ कार्य किए हैं। स्व. देवीलाल ने अपने कार्यकाल में रेवाड़ी का अलग जिला बनाया था तथा शहीद राव तुलाराम की छुट्टी बहाल की थी। इसके अलावा देवीलाल परिवार ने क्षेत्र के काफी आम कार्यकर्ताओं को विधायक, एसएस बोर्ड व हरियाणा पब्लिक कमीशन का सदस्य बनाया है।

शहीदी दिवस पर एसडी स्कूल में किया समारोह आयोजित

कनीना। शहीदी दिवस को लेकर एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव ने शिक्षक स्टॉफ के साथ आजादी के वीर भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। चेयरमैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश सेवा सबसे बड़ा धर्म है। मातृभूमि पर अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

मकान का ताला तोड़कर आभूषण ले गए चोर

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव बौचड़िया से अज्ञात चोर एक मकान का ताला तोड़कर सोने व चांदी के आभूषण चुरा ले गए। पुलिस ने पीड़ित मकान मालिक की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। बौचड़िया निवासी सत्यवान ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि हुडा नारनौल में भी रिहायशी मकान बनाया हुआ है। इसलिए परिवार ने गांव व हुडा दोनों ही जगह अपनी रिहायश की हुई है। गत 17 मार्च को परिवार अपने हुडा वाले मकान पर थे। 18 मार्च को बौचड़िया से मोबाईल फोन पर सूचना मिली कि मकान पर लगे हुए कैमरों पर कपड़ा डाला हुआ है, जिससे चोरी होने का अंदेशा है। वह तुरंत नारनौल से अपने घर बौचड़िया पर आये तो वहां पर देखा कि मकान के मैन गेट का ताला टूटा हुआ था,

सभी धर्मों व सम्प्रदायों को भाईचारे का संदेश देता है होली : यादव

यदुवंशी में हर्षोल्लास से मना होली पर्व

खास बातें

- विद्यार्थियों ने शानदार नृत्य कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया
- शहीदी दिवस पर शहीद भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को किया नमन

महेंद्रगढ़। होली खेलते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में होली का पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान बालवर्ग कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए नृत्य प्रतियोगिता तथा कनिष्ठ वर्ग कक्षा नौंवी से 10वीं के लिए सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह मुख्यातिथि, वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव विशिष्ट अतिथि तथा निदेशक विजय सिंह यादव ने अध्यक्ष के रूप में शिरकत की। विद्यार्थियों ने अबीर-गुलाल व फूलों से होली खेलकर पर्व का महत्व बढ़ाया। प्रतियोगिता में कितना मजा आ रहा है हवाओं में, रंग बरसे, आओ होली खेलें, बलम पिचकारी जो तुने मुझे मारी, आज अवध में होली रे रसिया गाने मुख्य रूप से आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में डोल्फी, खुशबू, दीक्षा, हिजल, प्राची, आराध्या, वंशिका, निशा, विजेता, प्रांजुल, भाविका, निखिल, राधिका, माही, प्रांजल, दिव्या, निधि, यशिका, दीपांशु, यक्षित, वर्णिका, वंशिका, ऋषिका, पाखी, राधिका गोस्वामी, परिधि, तन्वी, मानसी करीना व परिणिति ने शानदार नृत्य कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। निदेशक विजय सिंह यादव ने कहा कि होली सामाजिक मतभेद को मिटाकर उत्साह बिखेरने का पर्व माना जाता है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्णसिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव ने कहा कि प्यार भरे रंगों से सजा यह पर्व धर्म व सम्प्रदाय के लिए भाईचारे का संदेश देता है। इस दिन सभी लोग अपने पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाते हैं। यदुवंशी ग्रुपचेयरमैन राव बहादुर सिंह ने शहीदी दिवस पर शहीद भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव को देश के प्रति उनके असीम बलिदान पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए नमन किया।

श्रीकृष्णा स्कूल महेंद्रगढ़ में होली मिलन समारोह आयोजित

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल महेंद्रगढ़ में होली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि स्कूल के सीईओ कर्मवीर राव, विशिष्ट अतिथि डायरेक्टर यशवंत यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य वीरेंद्र सिंह द्वारा की गई। स्कूल के सीईओ कर्मवीर राव ने विद्यार्थियों को होली पर्व की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर डायरेक्टर यशवंत यादव ने कहा कि होली रंगों का त्योहार है। यह पर्व आपस में खुशी मनाने का पर्व होता है। उन्होंने कहा कि त्योहारों का बच्चों के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है।स्कूल प्राचार्य वीरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को शुभाशीष देते हुए तिलक होली व फूलों के साथ होली खेलने के लिए प्रेरित किया।

आकाश एकेडमी में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

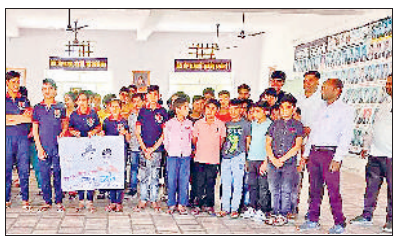

महेंद्रगढ़। आकाश एकेडमी में शहीदी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में सब डिविजनल ऑफिसर राकेश कुमार तथा अध्यक्षता बजरंग रोहिल्ला ने की। इस अवसर पर राकेश कुमार, बजरंग रोहिल्ला, देवेंद्र, विकास रामलवास, कंचन यादव, ज्योति सैनी, ज्योति तंवर, मनीष राणा, बबीता यादव, खुशविंद्र, अतर सिंह, मनोज व मंगल सिंह आदि उपस्थित थे।

बीआर ज्ञानदीप में मनाया होली का त्योहार

महेंद्रगढ़। होली खेलते विद्यालय स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बीआर सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुरजनवास परिसर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। स्कूल के प्राचार्य रामबीर यादव ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्यातिथि संस्था के संस्थापक राम सिंह यादव थे, जबकि अध्यक्षता ऑब्जर्वर उमेश यादव ने की। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में बच्चों को बताया कि होली रंगों का त्योहार है और पवित्र त्योहार है। प्राचार्य रामवीर यादव ने बच्चों को बताया कि फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होली का पर्व मनाया जाता है। हमें आपसी भेदभाव छोड़कर इस पर्व को पवित्रता के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने बच्चों को शपथ दिलाई कि हमें रंगों में पाए जाने वाले रसायनों के बजाय तिलक होली खेलनी चाहिए। इस दौरान स्कूल परिसर में बच्चों के लिए डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

मॉडर्न स्कूल में तिलक होली का आयोजन

महेंद्रगढ़। मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल कनीना के प्रांगण में शनिवार को होली पर्व को तिलक होली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के चेयरमैन सतन सिंह व प्राचार्य प्रदीप तंवर ने सभी बच्चों को होली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए पानी की बचत करने की शपथ दिलाई। वहीं विद्यालय प्रांगण में शहीद भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेवी की जयंती भी मनाई गई। विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप तंवर ने शहीदे आजम के जीवन पर प्रकाश डाला।

किड्जी स्कूल में मनाई होली

महेंद्रगढ़। सिटी किड्जी वर्ल्ड स्कूल में शुक्रवार को फाग होली महोत्सव का आयोजन कर होली खेली गई, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने सुगंधित गुलाल अबीर लगाकर वह एक-दूसरे के गले मिलकर सौहार्द, प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया। मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन यादव, विद्यालय चेयरमैन विजय सिंह यादव, प्राचार्या विनय यादव ने होली पर्व पर विद्यार्थियों को बधाई दी। मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

बिना पानी के होली खेलने की दिलाई शपथ

सतनाली मंडी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन कर बिना पानी होली खेलकर पानी बचाने की शपथ दिलाई गई। प्राचार्य जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया। जिसमें विद्यार्थियों को बिना पानी के होली खेल कर पानी बचाने की शपथ दिलवाई गई। उन्होंने कहा कि विद्यालय के बच्चे बिना पानी व्यर्थ किए इस बार की होली विशेष गुलाल व फूल से खेलने का निर्णय लें। उन्होंने कहा कि अपने नजदीक भी अगर आपको कोई पानी का व्यर्थ इस्तेमाल करते दिखे तो उनको भी पानी की विशेषताओं के बारे में समझाएं। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने अपने संदेश में कहा कि होली पर पानी के अधिक प्रयोग पर रोक लगाएं। भाईचारे का त्योहार होली फूल व गुलाल से मनाएं।

गुर्जर कल्याण परिषद ने मनाई होली

नारनौल। गुर्जर कल्याण परिषद की ओर से होली मिलन समारोह का आयोजन दयानगर में किया गया। कार्यक्रम के आयोजक महेंद्र बोकन निवासी दयानगर थे। जिसमें समाज के सैकड़ों लोगों ने शिरकत की और समाज सुधार के काफी मुद्दों पर सुझाव दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता झाबर चंदेला ने की। इस अवसर पर डा. रामावतार चंदेला, राजेश खटाना, अमीलाल कसाना, महेंद्र गुर्जर, सुंदर चौधरी, राजेश रावत, जगमाल भरगड़, बिजेंद्र चंदेला, लीलाराम सरपंच, उमराव चंदेला ने अपने सुझाव दिए और समाज सुधार के आगामी निर्णयों के बारे विचार विमर्श कर फूलों की होली खेलकर होली मिलन समारोह मनाया। कार्यक्रम के आयोजक महेंद्र बोकन को गुर्जर कल्याण परिषद की तरफ से अध्यक्ष कुलदीप सिंह भरगड़ एडवोकेट व अन्य कार्यकारिणी के सदस्यों ने स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर जगदीश थानेदार, आत्माराम थानेदार, रामशरण मैनेजर, धर्मवीर राठी, सत्यनारायण रावत, जगदीश सरपंच, सूरत कोच, कृष्ण खटाना, दुलीचंद, रोहित दोराता, मामन भरगड़, कुलदीप चंदेला, नरेश गुर्जर, ओमप्रकाश रावत आदि मौजूद थे।

बीआर स्कूल में मनाया होली पर्व

महेंद्रगढ़। बीआर स्कूल सेहलंग में होली का पावन पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में चेयरमैन हरीश भारद्वाज मुख्यातिथि, प्राचार्य डॉ. राममोहन वशिष्ठ ने विशिष्ट अतिथि व उपप्राचार्य ज्योति भारद्वाज अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना व गणेश गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से तीसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी विद्यार्थियों ने एक दूसरे को आपस में रंग गुलाल लगाकर होली मनाई। प्राचार्य डॉ. राममोहन वशिष्ठ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा होली रंगों का त्योहार है और रंग हमें आपस में प्रेम और सद्भावना का भाव देते है। उन्होंने सभी को होली के त्योहार पर केवल प्राकृतिक और स्वदेशी रंगों का प्रयोग और पानी की बर्बादी न करने का संदेश भी दिया। चेयरमैन हरीश भारद्वाज ने कहा कि रंगों का यह त्योहार वास्तव में व्यक्तिगत और सामाजिक एकता का प्रतीक है। सदियों से मनाए जाने वाले इस त्योहार का उद्देश्य संबंधों में आने वाली कटुता को मिटा प्रेम को प्रेरित करना है। इस अवसर पर उप-संचालक कृष्ण भारद्वाज, राजकुमार व राजपाल आदि उपस्थित थे।

सरस्वती स्कूल मे पुरस्कार वितरण समारोह

नारनौल। आज दिनांक 23 मार्च 2024 को सरस्वती बाल मंदिर पुल बाजार, नारनौल में पारितोषिक वितरण एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय संचालक श्री मुकेश शर्मा जी ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अशोक शर्मा टम्ट नारनौल थे। मुख्य अतिथि का परिचय विद्यालय प्रबंधक श्री लोकेश शर्मा जी ने करवाया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती क्षमा पाण्डेय ने सभी विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता और विभिन्न कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। मुख्यातिथि ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए पुरस्कार प्राप्त न करने वाले छात्र-छात्राओं को निराश ना होकर अगले वर्ष पुरस्कार लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय संचालक श्री मुकेश शर्मा जी ने अभिभावकों को विश्वास दिलाया कि विद्यालय में पढने वाले सभी छात्रों के सर्वांगिण विकास पर पूरा ध्यान दिया जाएगा। इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य व्यक्ति, विद्यालय का समस्त आचार्य मंडल और विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका में शहीदी दिवस मनाया

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में शनिवार को होली उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने एक-दूसरे को तिलक लगाया तथा अध्यापकों को तिलक लगाकर उनका सम्मान किया। सभी बच्चों तथा अध्यापकों ने जल संरक्षण का संकल्प लेते हुए तिलक होली खेलने की शपथ ली। इस अवसर पर शहीदी दिवस भी मनाया गया। जिसमें प्राचार्य वेदपाल यादव शहीदों की कुर्बानी को याद कर भावुक हो गए। प्रार्थना सभा में भावुक मन से शहीदों के बलिदान को याद कर उन्हें नमन किया। उन्होंने बच्चों को बताया कि 23 मार्च के दिन ही तीन महान देशभक्तों भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को फांसी दी गई थी। ये तीनों आजादी के गीत गाते हुए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए। इनका शौर्य और मातृभूमि की आजादी के प्रति साहस सभी युवाओं को आज भी प्रेरणा देता है। इस मौके पर चेयरमैन राजपाल यादव, सीईओ अविनाश, अध्यापक अत्तर सिंह, मनीष कुमार आदि मौजूद थे।

गुरु द्रोणाचार्य स्कूल में मनाया होली पर्व

नारनौल। गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद में होली के उपलक्ष्य में फाग उत्सव व होली धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के आगे पुष्प अर्पित व दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि होली का हमारी संस्कृति में विशेष महत्व है। विद्यालय के प्राचार्य नेतराम सैनी ने बताया कि हमें तिलक लगाकर होली खेलनी चाहिए। ऐसा करने से पानी को बचा सकते हैं। विद्यालय की एमडी पूजन सैनी ने बताया कि फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को होली का त्योहार मनाया जाता है। मौके पर धर्मपाल सैनी, वाइस चेयरमैन कुलदीप सैनी, कमल सिंह, ममता यादव, सुनीता यादव, दरियाव सिंह, विकास कुमार, प्रवीण यादव, प्रवीण सैनी, अंकित सैनी, हेमंत सैनी, कृष्ण कुमार, अजय कुमार, मुकेश कुमार, लक्ष्मी शर्मा, मोना, प्रियंका सैनी, पूनम सैनी, सुमन, प्रीतम, मंजू, ज्योति, मनोज कुमार आदि मौजूद थे।

बीपीएस स्कूल में पीटीएम का आयोजन

नारनौल। कुलताजपुर रोड स्थित बीपीएस स्कूल में अध्यापक अभिभावक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 950 अभिभावकों ने बच्चों सहित भाग लिया। इस दौरान उन्होंने विषय अध्यापकों के साथ बैठकर अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति को जाना तथा साथ ही अपने बच्चे को और अधिक विकसित करने के लिए अध्यापकों से विभिन्न प्रकार के सुझावों पर विचार विमर्श किया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन नरेश संघी, सचिव किशन चौधरी एडवोकेट ने उपस्थित अभिभावकों को विश्वास दिलाया कि संस्था में बच्चों के विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। स्कूल प्राचार्य उदयभान राव ने कहा कि संस्था शैक्षणिक सुधार के लिए हमेशा आधुनिक नवाचारों का प्रयोग करती है। इस मौके पर संस्था के वाइस चेयरमैन कमल संघी, सहसचिव डा. कर्ण चौधरी मौजूद थे।

बच्चों ने ली तिलक होली खेलने की शपथ

महेंद्रगढ़। श्री ओमसाईराम एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल में शनिवार को बच्चों को शपथ दिलवाई गई। इस दौरान सभी बच्चों ने शपथ ली कि कीचड़ मिट्टी एवं केमिकल युक्त रंगों से दूर रहकर तिलक होली खेलेंगे। चेयरमैन रमेश सैनी एवं चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि आजकल बाजार में केमिकल युक्त चाइनीज कलर बिक रहे हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक है। इसलिए हमें कीचड़ मिट्टी और कैमिकल युक्त रंगों से दूर रहकर श्रद्धा भाव से सूखी होली मनानी चाहिए, ताकि सभी प्रकार के हानिकारक वायरस भी हमसे दूर रह सकें। उधर दूसरी ओर मौहल्ला नया बास में चल रही विद्यालय की तीसरी ब्रांच किड्स गार्डन प्ले स्कूल के बच्चों को भी होली के महत्व के बारे में बताया गया और सूखी होली खेलने की शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर संस्थापक शेरसिंह सैनी, सावित्री देवी, प्राचार्या चित्रा शर्मा, प्राचार्या सरिता यादव, बचपन हेड रूपाली अरोड़ा, ज्योति शर्मा, प्रवक्ता अमरसिंह सोनी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

नर नारायण सेवा समिति कार्यकारिणी ने ली शपथ

नारनौल। नर नारायण सेवा समिति के नवनियुक्त प्रधान रामसिंह मधुर व नवगठित कार्यकारिणी सदस्य का शपथ ग्रहण समारोह व होली मिलन समारोह का आयोजन शिव मंदिर टेलीफोन एक्चेंज के पीछे मनाया गया। सर्वप्रथम नर नारायण सेवा समिति के चुनाव अधिकारी डा. आरएन यादव व कृष्ण कुमार एडवोकेट ने प्रधान रामसिंह मधुर को प्रधान पद की शपथ दिलाई। इसके बाद नवनियुक्त प्रधान रामसिंह मधुर ने अपने साथी पदाधिकारी उपप्रधान श्यामसुंदर शर्मा, महासचिव भारत भूषन तायल, सचिव मास्टर सत्यवीर सिंह, कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार चौधरी व कार्यकारिणी सदस्य राजेश शास्त्री, जिनेश कुमार जैन, धर्मचंद छाबड़ा, महेश शर्मा, कृष्ण अवतार शर्मा, मुखराम सैनी, सुरजीत सिंह अरोड़ा, विकास अग्रवाल, बिजेंद्र कुमार सैनी, महासिंह यादव, जयप्रकाश कौशिक, दुलीचन्द शर्मा, जगदेव सिंह यादव की घोषणा की। इसके बद सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों को चुनाव अधिकारी ने पद व गोपनियता की शपथ दिलाई।

होलिका दहन पर विशेष ध्यान रखें

नारनौल। कार्यकारी अभियंता दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा है कि होलिका दहन व स्थान का चुनाव करते समय विशेष सावधानी बरतें।

सूचना

मै Mishri Mather of Army No. 15488350M LD Sumer Singh वासी ग्राम व डाकघर मोहब्बतपुर भुंगारका तह. नांगल चौधरी जिला महेंद्रगढ बयान करती हूं कि मेरे पुत्र के आर्मी रिकार्ड में मेरा नाम गलती से Masari Devi दर्ज है जबकि मेरे आधार व पैन कार्ड में मेरा नाम Mishri है जो कि सही है। नियमानुसार सही किया जाए।

सूचना

मै Matadin Father of Army No.15488350M LD Sumer Singh वासी ग्राम व डाकघर मोहब्बतपुर भुंगारका तह. नांगल चौधरी जिला म्हेंद्रगढ बयान करता हूं कि मेरे पुत्र के आर्मी रिकार्ड में मेरा नाम गलती से Matta Deen दर्ज है जबकि मेरे आधार व पैन कार्ड में मेरा नाम Matadin है जो कि सही है। नियमानुसार सही किया जाए।

हाउस बोर्ड सजावट प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में हाउस बोर्ड सजावट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में गंगा, यमुना, कावेरी, कृष्णा आदि चारों सदनों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में बीएड विभाग प्राचार्य डॉ. सुधीर दुबे, डीएड विभाग प्रधानाचार्य हरिओम वर्मा, वरिष्ठ अध्यापक राकेश शर्मा आदि निर्णायक मंडली के सदस्य थे। प्रथम स्थान कावेरी सदन ने तथा दूसरा स्थान गंगा सदन ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम व दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले सदनों के प्रतिभागियों को संस्था निदेशक राजकुमार यादव, हवासिंह यादव, प्रबंधन समिति सदस्य मनोज कुमार, नवीन कुमार, सोनिका देवी व संस्था प्राचार्य अनिल कुमार तथा स्टाफ सदस्यों ने प्रोत्साहित किया। संस्था निर्देशक राजकुमार यादव ने अध्यापकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को होली पर्व की शुभकामनाएं दी।

आईआईटी जैम में आरपीएस कॉलेज के 31 विद्यार्थियों ने पाई सफलता

महेंद्रगढ़। आईआईटी जैम परीक्षा परीणाम में आरपीएस डिग्री कॉलेज बलाना के 31 विद्यार्थियों का चयन टॉप रैंक में हुआ। इस खुशी पर संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व सीईओ मनीष राव, कॉलेज डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव, पिंरसिपल डॉ. देवेन्द्र कादयान, डीन डॉ. यशपाल शर्मा ने सफलता प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई दी। कॉर्डिनेटर प्रो. वाईपी सिंह ने कहा कि आरपीएस संस्था पूरे भारत में अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 31 विद्यार्थियों अविस्मरणीय चयन दिया। उन्होंने बताया कि कैमिस्ट्र में मनीषा ने 69 रैंक, बिट्टू ने 173, मीनाक्षी ने 323, सुदेश ने 896, श्रृष्टि ने 1417, नीतू ने 2236, विजुल्का, रितिका, अंशुल ने 2856 रैंक प्राप्त की। फिजिक्स में निखिल यादव ने 660 रैंक, हिमांशु ने 966, निकिता ने 2003, अमन ने 1577 रैंक इसी तरह मैथ्स में वेदपाल ने 365 रैंक, दिपक ने 2271, निखिल ने 1490, संजना ने 1062, प्रिंयका ने 2314 रैंक हासिल की। इसी प्रकार से मैथ्स स्टेस्टीक्स में वेदपाल ने 402 रैंक, दीपक ने 587, सुनिता ने 572 रैंक तथा बॉयो टेक्नोलॉजी में नीतू ने भी आईआईटी जैम पास किया है।

जीएल कॉलेज की छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

महेंद्रगढ़। जीएल महिला महाविद्यालय की छात्राओं को महेंद्रगढ़ स्थित आर्चिक पर्वत (ढोसी पर्वत) का भ्रमण करवाया गया। इसमें छात्राओं को भार्गव समाज के जनक महर्षि भृगु के वंशज महर्षि च्यवन ऋषि की तपोस्थली से संबंधित जानकारी दी। साथ ही ढोसी पहाड़ी पर स्थित मनसा देवी मंदिर के दर्शन भी करवाएं। महर्षि च्यवन ऋषि द्वारा रोग मुक्ति के लिए बनाए कुंड का भी भ्रमण किया। इसके अतिरिक्त छात्राओं को खेतड़ी तहसील के जमालपुर गांव में स्थित बाबा रामेश्वर धाम का भी भ्रमण करवाया गया। यह मंदिर संवत 2021 में स्थापित अतीत एवं वर्तमान की अनूठी मिशाल है। संस्था चेयरमैन राजेंद्र सिंह लोढा ने कहा कि इस प्रकार के भ्रमण मनोरंजन के साथ-साथ छात्राओं को संस्कृति व इतिहास से भी अवगत करवाते हैं। शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य शामिल रहे।

33 हजार एकड़ फसल के आंकड़े का नहीं हुआ मिलान

जिले में सरसों फसल की खरीद पर मंडराया खतरा

26 मार्च से सात मंडियों में शुरू होनी है सरसों की खरीद, 80854 किसानों ने पोर्टल पर 298847 एकड़ किया फसल का पंजीकरण अभी 44638 में से 11233 एकड़ का ही हुआ है मिलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

प्रदेश में 26 मार्च से सरसो की फसल की खरीद होनी है, लेकिन अभी तक जिला में 33404 एकड़ फसल के आंकड़े का मिलान नहीं हो पाया है। ऐसे में यह किसान सर्मथन मूल्य पर अपनी फसल बेचने से वंचित रह जाएंगे।

बता दें कि सरकार की ओर से पोर्टल पर पंजीकरण करने वाले किसानों की फसल सर्मथन मूल्य पर खरीदी जाती है। सरकार की ओर से सरसों की फसल के लिए 5650 रुपये, गेंहू के लिए 2275 रुपये व चने के लिए 5450 रुपये सर्मथन मूल्य निर्धारित किया गया हैं। प्रदेश में 9.25 लाख किसानों ने अपनी फसल बेचने के लिए 61.45 लाख एकड़ फसल का पंजीकरण कराया था। वहीं जिला में 80854 किसानों ने 298847 एकड़ फसल का पंजीकरण कराया था। इनमें से काफी किसानों के पंजीकरण का डाटा का मिलान नहीं हो पा रहा है। इस रकबे का फसल खरीद से शुरू होने से पहले डाटा का मिलान होना अनिवार्य है नहीं तो किसानों में फसल बेचने में परेशानी उठानी पड़ सकती है। प्रदेश में 10.45 एकड़ फसल के डाटा का मिलान नहीं हो पाया है। वहीं जिला में 33 हजार एकड़ फसल के आंकड़े का मिलान नहीं हो पाया है। जिले में 20939 किसानों ने 33639 एकड़ गेंहू की फसल का पंजीकरण कराया था। अभी तक 25371 एकड़ गेंहू की फसल का सत्यापन हो चुका हैं। वहीं 8268 एकड़ गेंहू की फसल का सत्यापन नहीं हो पाया है। वहीं जिले में 78335 किसानों ने 260672 एकड़ सरसों की फसल का पंजीकरण कराया था। जिसमें से 201158 एकड़ फसल का सत्यापन हो चुका है। वहीं 59514 एकड़ सरसों की फसल का सत्यापन नहीं हो पाया है। 831 किसानों ने 1438 एकड़ चना की फसल का पंजीकरण कराया था, जिसमें से 1209 एकड़ फसल का सत्यापन नहीं हो पाया है।

जिले में गेंहू के पंजीकरण की स्थिति

ब्लॉक	पंजीकृत क्षेत्र	किसान पंजीकृत	कुल सत्यापित
अटेली	5587	3857	3710
कनीना	8784	5603	5264
महेंद्रगढ़	7033	5344	3442
नांगल चौधरी	916	797	372
नारनौल	3129	2507	1534
सतनाली	8189	2826	6419

जिले में सरसों फसल का रजिस्ट्रेशन

ब्लाक	पंजीकृत क्षेत्र	किसान पंजीकृत	कुल सत्यापित
अटेली	31484	10716	22805
कनीना	49645	14723	36810
महेंद्रगढ़	62211	17797	47860
नांगल चौधरी	43569	12834	33448
नारनौल	55059	17847	42069
सतनाली	18832	4410	12086

डंपर ने स्विफ्ट को मारी टक्कर 25 वर्षीय युवती की हुई मौत

महेंद्रगढ़। नारनौल-महेंद्रगढ़ रोड पर गांव डेरोली अहीर में पेट्रोल पंप के पास स्विफ्ट गाड़ी व डंफर की टक्कर हो गई। जिससे गाड़ी में सवार एक 25 वर्षीय युवती की मौत हो गई व चालक घायल हो गया। चामधेड़ा निवासी मृतका के दादा महाबीर ने बताया कि वह उसकी 25 वर्षीरू पौती सन्नी जयपुर में नेट की कोचिंग कर रही थी। गांव आते समय 22-23 मार्च की रात सड़क हादसे में उसकी मौत की सूचना मिली। जब वह मौके पर पहुंचा तो गाड़ी पेट्रोल पंप के पास दुर्घटनाग्रस्त पड़ी मिली तथा पता किया कि यह दुर्घटना चालक मोहम्मद शरीफ वासी पैमा खेड़ा जिला नूंह ने अपने डंपर को गफलत लापरवाही से चलाकर गलत दिशा में मोड़कर किया है। हादसे में उसकी पोती सन्नी का देहांत हो गया व गाड़ी चालक रोहित वासी जोनावास को पैर व हाथों में काफी चोटे आई हैं। उसकी पोती सन्नी की लाश सरकारी अस्पताल नारनौल में है।

सरसों व गेहूं की खरीद आढ़तियों से करवाने की मांग, सीएम से मिले

कनीना। मंडी में सरसों व गेहूं की खरीद को लेकर व्यापार मंडल प्रतिनिधिमंडल चंडीगढ़ में

मुख्यमंत्री नायाब सैनी से मिला व गेहूं-सरसों की खरीद आढ़तियों के माध्यम से करवाने की मांग की। प्रधान मनीष गुप्ता ने बताया कि व्यापार कल्याण बोर्ड के चेयरमैन श्रीनिवास गोयल की अगुआई में व्यापारियों ने मुख्यमंत्री से मिले। नैफेड की खरीद भी आढ़तियों के मार्फत करवाई जाए। मंडियों में प्लेटफार्म, बारदाना तथा उठान कार्य दुरूस्त करवाया जाए, जिससे किसानों, आढ़तियों व खरीद एजेंसी को परेशान का सामना न करना पडे। उन्होंने कहा कि कनीना मंडी में सरसों की खरीद स्टेट वेयर हाउस की ओर से की जाएगी। इस मौके पर श्रीराम शर्मा, राहुल मित्तल भी मौजूद रहे।

मेजर प्रवीण यादव को सेना मेडल गैलेंट्री अवॉर्ड से नवाजा गया

महेंद्रगढ़। देश की रक्षा में प्राणों की परवाह न करते हुए अदम्य साहस और वीरता का प्रदर्शन

करने वाले युवा सैन्य अधिकारी मेजर प्रवीण यादव को भारतीय सेना की कमान ने रेड ईगल डिवीजन के तत्वावधान में प्रयागराज सैन्य स्टेशन में सेवा मेडल गैलेंट्री अवार्ड से सम्मानित किया। जनरल ऑफिसर कमांड-एजी-इन-चीफ, उत्तरी कमांड-और लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र ने भारतीय सेना के अधिकारियों और सैनिकों को कर्तव्य से परे उनकी बहादुरी और राष्ट्र के प्रति विशिष्ट सेवा के लिए वीरता और विशिष्ट सेवा पुरस्कारों से सम्मानित किया। उन्होंने जीओसी-इन-सी भी प्रदान किया। दौंगड़ा अहीर के ओनरी कैप्टन पवन यादव ने यह जानकारी दी।

तन रंग लें-मन रंग लें
जीवन सतरंगी कर लें

जीवन में अगर रंग न हों तो सब कितना बेरंग-नीरस लगेगा। जीवन में रंगों की महत्ता को रेखांकित करने के लिए ही हमारे देश-समाज में पौराणिक काल से ही रंग पर्व मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह पर्व हमें प्रेम, स्नेह और अपनेपन के रंग में रंग देता है। जीवन को सतरंगी बनाता है।

पर्व-निहितार्थ / डॉ. मोनिका शर्मा

रंग सदा जीवन के संग चलते हैं। अवसरों के अनुसार विशेष छटा के साथ बिखरते हैं। कभी रंगों की चटक, उसकी आभा मन में उत्साह भरती है तो कभी फीकापन सुकून देता है। मन-जीवन की हर निखार-संवार में रंग अपनी उपस्थिति रखते हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अपनी आभा संग ये रंग अलग-अलग अनुभूतियों से मिलवाते हैं। रिश्तों के हर मोड़ पर विशेष ढंग से मन को प्रभावित करते हैं। होली, रंगों की यही छटा हर ओर बिखरने का पर्व है। इस सतरंगी उत्सव पर जीवन से जुड़े रंग और रंगों में रचा-बसा जीवन का ताना-बाना स्मरण हो आता है। कुछ बीते हुए पल और थोड़ी-सी आज की हलचल, सतरंगी आभा से जीवन को सजा देती है।

बरकरार है नेह का भाव-चाव

हर औपचारिकता से परे यह पर्व लोगों को साथ और स्नेह की डोर से बांधता है। उड़ते गुलाल और फगुनाहट की धुन में बदला हाल-चाल भारतीय जनमानस को एक-दूजे से जोड़ता रहा है। नेह के भाव-चाव का यह उत्सव रिश्तों पर रीझने का प्यारा अवसर होता है। लोकगीतों में ध्वनित होते जमीनी जुड़ाव की धुन सुनने-सुनाने का मौका बन जाता है। भारत की पावन धरा पर तो ईश्वरीय अवतारों ने भी उत्सव की इस रंगीन छटा को आम मनुष्यों के समान ही जीया है। पौराणिक कथाएं, हमारे आराध्य भगवान कृष्ण, शिव और भगवान राम सभी के होली खेलने का वर्णन लिए हैं। ब्रजभूमि पर राधा-कृष्ण और गोपियों की ठिठोली के संग होली खेलने और काशी के मणिकर्णिका घाट पर शिवजी के श्मशान में होली खेलने की बात भी शामिल है। वहीं अवध में प्रभु राम और सीता माता के होली खेलने का भी उल्लेख है। सोचिए कि वृंदावन में गोपियों ने अपनी झोली से कृष्ण पर अबीर उड़ेल कर हंसते-खिलखिलाते हुए कितने नेह संग कहा होगा, *'लला फिर आइयो खेलन होरी।'*

या राग-रंग में घुला यह भाव देखिए

ए केकरे हाथ कनक पिचकारी ए केकरे हाथे अबीरा/
अवध में होली खेले रघुबीरा।

नेह के इसी भाव-चाव को तब से अब तक भारत का जनमानस हर वर्ष जीवंत भाव संग जीता है।

साझी संस्कृति का उत्सव

होली का पर्व, हर उम्र के लोगों के लिए उत्सवीय धुन की आहट की तरह होता है। खान-पान से लेकर मस्ती और मेल-जोल तक। बच्चे-बड़े, महिला, पुरुष सब इस साझे सुख को जीते हैं। ठंडाई, गुझिया, खीर, पूड़ी, कचौड़ी और दही-बड़े का स्वाद अपनी रसोई की ओर ले जाता है तो गुलाल उड़ाने की मस्ती आंगन में खींच लाती है। रिश्तों पर रीझने और अंजान लोगों को भी रंग डालने की रीत का मानवीय मेल इसे साझी संस्कृति का पर्व बनाता है। झांझ-मंजीरे और ढोलक की थाप के साथ गूंजते स्थानीय गीतों से इस पर्व पर लोक का स्वर मुखर होता है। हंसाने-हंसाने नाचने-गाने की एक अनगढ़ थिरकन मन मोहती है। होली पर ब्रजभूमि की गोपियां भी याद आती हैं और राधा-कृष्ण भी। होली पर अबीर उड़ाते रघुवीर भी स्मरण हो आते हैं। गहरे रंगों से रंगे-पुते चेहरों का आपसी मेल-जोल मानवीय संवेदनाओं को उजला बनाता है। आदिम उल्लास का यह पर्व असल में आत्मीय जुड़ाव की अनौपचारिक खनक साथ लाता है। गांव की चौपाल से जुड़ी स्मृतियां आज महानगरों में बसी बड़ी हुई पीढ़ी के मन में दस्तक देने लगती हैं।

परंपरा की अनौपचारिक खनक

देश के हर हिस्से में फाग की मस्ती और हंसी-ठिठोली विशेष रंग लिए होती है। यह धमक मन की थिरकन है। कहीं कृष्ण भक्ति के रस में डूबे लोग तो कहीं अपने आराध्य के चरणों में गुलाल लगाने की परंपरा। कहीं कानों से टकराती चंग की थाप की मादकता तो कहीं टपकता महुआ। एक तरफ खेतों में पकती गेहूं की बालियां तो दूसरी तरफ बौर से लदकर झुक आए आमों के पेड़। पूरी प्रकृति इस उत्सवीय छटा को जीती नजर आती है। वहीं होली के इस पर्व पर इंसानों के भाव-चाव भी बहुत मुखर होते हैं। कहीं कोई औपचारिकता नहीं। दिखता है तो बस अपनेपन से भरा राग-रंग और सामुदायिक जुड़ाव की धुन। तभी तो होली आध्यात्मिक-सामाजिक भावों से जुड़ी खुशियों को जीते हुए उदारता और सहिष्णुता सिखाने वाला उत्सव है। हर उम्र, हर समुदाय के लोगों को ऊर्जावान और जीवंत बने रहने का संदेश देता है। इसीलिए तो जीवन को सरस-सुंदर बनाने वाला यह रंगपर्व, भारतीय संस्कृति की सबसे प्यारी उत्सवीय परंपराओं में से एक है।

तो आइए इस रंगोत्सव पर एक बार फिर हम सब प्रेम और अपनेपन के रंगों से एक-दूसरे को सराबोर कर लें, जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से सजा लें। *

होली के दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे

रंगों के संग खेलती, एक नवल-सी आस।
मन में पलने लग गया, फिर नेहिल विश्वास।।
कुंजन, क्यारिन रौनकें, अवसादों का अंत।
अनुरागी की बात क्या, तोड़ रहे तप संत।।
बौराया-सा लग रहा, देखो तो मधुमास।
प्रीति-प्रणय के भाव का, है हर दिल में वास।।
भली लगे शीतल हवा, मौसम के प्रतिमान।
अधरों पर पलने लगा, ढाई आखर गान।।
करते मंगलकामना, आकर रंग-अबीर।
वे भी चंचल हो गए, जो थे नित गंभीर।।

सुदृढ़ नहीं रह पाए नहीं, अनुशासन के बंध।
अभिसारों ने है रची, चोखी-नई सुगंध।।
फागुन की अठखेलियां, नयनों की है मार।
बदला-बदला लग रहा, देखो यह संसार।।
कदम-कदम से मिल रहे, हाथ गह रहे हाथ।
पर्वों को तो मिल रहा, धर्म,नीति का साथ।।

उल्लासोत्सव / कुमार राधारमण

होली के पर्व में कुछ ऐसी विशिष्टताएं हैं, जो इसे सबसे विलक्षण बनाती हैं। पूरे देश में अलग-अलग रूपों में मनाया जाने वाला यह पर्व हम सभी के जीवन में बहुत मायने रखता है।

उत्तराखंड के कुमाऊं में होली

रंग-उमंग-तरंग समेटे
विलक्षण पर्व होली

जीवन के हजार रंग हैं। हमारे पर्व-त्योहार इन्हीं रंगीनियों को बनाए रखने के लिए हैं। तमाम रंगों में एक रंग ऐसा है, जिसमें सामूहिकता का बोध निहित है, और वह रंग है होली का। जीवन में जो भी उत्सव और उल्लास है, केवल वर्तमान के क्षण में ही है। हमारे सारे पर्व-त्योहार हमें वर्तमान में जीने का ही प्रयास हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम एक उत्सवधर्मी देश का हिस्सा हैं। मेल-जोल और सामाजिकता हमारे पारस्परिक संबंधों की नींव रही है। मेल-जोल की जैसी परंपरा होली में दिखती है, वैसी अन्यत्र नहीं।

पूरे देश में दिखती है छटा: फाल्गुन पूर्णिमा का त्योहार होली, थोड़ी-बहुत भिन्नता के साथ देश भर में मनाई जाती है। ब्रज की लट्ठमार, फूल और गुलाल की होली के सप्ताह भर के आयोजन से हममें से अधिकतर परिचित हैं। उत्तराखंड के कुमाऊं की होली के कई दिन पहले से गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की मंडली जमने लगती है। महाराष्ट्र में शिमगा की रात को हर मोहल्ले में लकड़ी जलाई जाती है और दिन में लोग पूरन पोली बनाते हैं, सूखे गुलाल की होली खेलते हैं। कर्नाटक में सिरसी में, होली से पांच दिन पहले बेदरा वेशा लोकनृत्य होता है। तेलंगाना में होली 10 दिन पहले शुरू हो जाती है। पंजाब के आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला में सिख धर्मावलंबी शक्ति प्रदर्शन करते हैं और रंग की जगह कलाबाजी, कुश्ती, मार्शल आर्ट आदि का प्रदर्शन करते हैं। मध्य प्रदेश में खासकर भोपाल -इंदौर में, होली के बजाय होली के अगले दिन की रंगपंचमी खास होती है। राजस्थान में उदयपुर की संगीतमय होली को देखने विदेशी पर्यटक भी आते हैं। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन की पारंपरिक अबीर होली की अलग खूबसूरती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम की होली दोल जात्रा कहलाती है, जिसमें राधा-कृष्ण की प्रतिमा को मोहल्ले में घुमाया जाता है। गुजरात में होली पर छाछ से भरे मटके को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाया जाता है।

आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला

कृषि से भी है संबंधित: यों तो होली कृषि का भी त्योहार है, क्योंकि फागुन नई फसल के पकने का समय होता है। इसलिए, होलिका दहन में अग्निदेव को जौ-गेहूं अर्पित किया जाता है और नई फसल की बालियों को पकाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया जाता है।

बदल गया पर्व का स्वरूप: समय के साथ-साथ होली का स्वरूप बदलता गया और लोग इससे बचने लगे हैं। विकृत स्वरूप के कारण रंगों का चलन कम हो गया है और केवल थोड़े-बहुत अबीर का चलन रह गया है। एकाकी होती जीवनशैली के इस दौर में होली सामूहिकता का आमंत्रण है। होली हंसी के फव्वारों का महोत्सव है। होली पर अपने मन के उल्लास को खुलकर व्यक्त करना अच्छा है, बशर्ते उसमें अश्लीलता और फूहड़पन न हो। हमारी होली सभी के लिए सुरक्षित हो। हमारी होली में भी वही गुलाल हो, जो जीवन को प्रेमिल बनाए। इतना ऊर्जावान, व्यक्ति किसी भी पर्व में नहीं होता, जितना होली में होता है। तभी, ओशो कहते हैं, 'होली जैसा नृत्य करता उत्सव पृथ्वी पर और कहीं नहीं है।' *

बंगाल की पारंपरिक अबीर होली

आत्मप्रेरणा / राजयोगी बीके निकुंज जी

होली पर हम सभी होलिका दहन करते हैं, अगले दिन उमंग-उल्लास के साथ रंग खेलते हैं। लेकिन इसकी सार्थकता तभी है, जब हम सब इस पर्व के भावार्थ को आत्मसात करें।

होली का भावार्थ करें आत्मसात

भारतवर्ष में जितने भी त्योहार-पर्व मनाए जाते हैं, उन सभी में से होली का रंगोत्सव-मंगलोत्सव विशिष्ट और विलक्षण है। रस, रंग से सराबोर यह पर्व आंतरिक उल्लास को उभारने वाला एक सांस्कृतिक पर्व भी है।

सभी मनाते हैं प्रेम से: इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे देश के हर वर्ग, जाति, धर्म एवं संप्रदाय के लोग बिना किसी भेदभाव के बड़े ही उत्साह और आनंद के साथ मनाते हैं। रंगों का यह पर्व प्रकृति से मानव को एकाकार कर तादात्म्य स्थापित कर देता है एवं जीवन को उल्लास के साथ जीने की रीति-नीति के लिए प्रेरित भी करता है।

आत्मशुद्धि का अवसर: हिंदू संस्कृति में अनावश्यक और हानिकारक वस्तुओं को हटा देने और मिटा देने को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया गया है और इसी दृष्टिकोण को क्रियात्मक रूप देने के लिए होली का त्योहार बनाया गया है। अतः होली के त्योहार का छिपा हुआ संदेश यही है कि हम अपनी भीतरी और बाहरी गंदगी को ढूंढ़-ढूंढ़ कर साफ करें और चतुर्मुखी पवित्रता की स्थापना करें। मानसिक, सामाजिक, राजनैतिक विकृत विकारों के कंटक जो हमारे रास्ते में बिछे हुए हैं, उन्हें सब मिल-जुल कर खोजें और उनको आग में भस्म कर उत्सव मनाएं।

पौराणिक संदर्भ: पौराणिक दृष्टि से यह त्योहार कब आरंभ हुआ, इसके बारे में विभिन्न मत-मतांतर हैं। इस पर्व से अनेक कहानियां भी जुड़ी हुई हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी है भक्त प्रह्लाद की। इसके अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन अर्थात प्रह्लाद की बुआ, प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठी थी, प्रतिवर्ष 'होलिका' नाम से आज तक जलाई जाती है। भविष्य पुराण के अनुसार ढुंढला नामक राक्षसी के द्वारा शिव-पार्वती से यह वरदान तपश्चर्या द्वारा प्राप्त किया गया था कि वह सुर-असुर नर-नाग किसी से न मारी जा सके और जिस बालक को खाना चाहे खा सके। कथा के अनुसार, वरदान देते समय भगवान महादेव ने यह शर्त लगा दी कि वर्ष में केवल होली के एक दिन यह वरदान फलीभूत नहीं होगा और उस दिन जो भी बालक वीभत्स आचरण करते, निर्लज्जतापूर्वक फिरते पाए जाएंगे, उन्हें वह नहीं खा सकेगी। कहा जाता है कि उस राक्षसी से बचने के लिए तरह-तरह के वीभत्स स्वांग रचने की परंपरा इस त्योहार से ही बनी। एक और मान्यता के अनुसार इसी दिन के लिए महर्षि वशिष्ठ जी ने सब मनुष्यों के लिए अभयदान मांगा था, ताकि वे निःशंक होकर इस दिन हंस-खेल सकें। इसी प्रकार भविष्य पुराण में नारद जी ने राजा युधिष्ठिर को होली के संबंध में एक कथा सुनाई, वह इस प्रकार है, नारद जी बोले, 'हे नराधिप! फाल्गुन की पूर्णिमा को सब मनुष्यों के लिए अभय दान देना चाहिए, जिससे समस्त प्रजा भय-रहित होकर हंसे और क्रीड़ा करे। डंडा और लाठी लेकर बालक शूरवीरों की तरह गांव के बाहर जाकर होली के लिए लकड़ी और कंडों का संचय करें। उस होलिका-दहन, हास-परिहास और मंत्र उच्चारण से पापात्मा राक्षसी नष्ट हो जाती है।'

प्रतीकों का समझें भावार्थ: विभिन्न पौराणिक कथाओं से बुद्धिमान लोग समझ सकते हैं कि इसका शब्दार्थ लेना युक्ति-संगत नहीं है बल्कि भावार्थ अथवा लक्षणार्थ लेना ही विवेक-सम्मत है क्योंकि केवल लकड़ी और कंडों के दहन से तो सभी अनिष्टों का नाश हो नहीं सकता, न ही कभी ऐसा हुआ है। वास्तव में तो लकड़ी और कंडे, मनुष्य के स्वभाव और उसके कर्मों में जो दुख देने वाली आदतें हैं, जो कटुता, शुष्कता, क्रूरता तथा विकार रूपी झाड़-झंखाड़ हैं, उनके प्रतीक हैं और अग्नि 'योगाग्नि' का प्रतीक है। अतः बुरे संस्कारों, नास्तिकता तथा अभिमान रूप होलिका इत्यादि को परमात्मा रूप दिव्य अग्नि की पाप-दह शक्ति में होम कर देना या योगाग्नि में भस्म कर देना ही 'होलिका-दहन' है। इससे मनुष्य के मन में हर्ष और आह्लाद होना स्वाभाविक है, इसलिए यह हास-परिहास का त्योहार माना गया है।

'अभय दान' देने का अर्थ भी यही है कि हम हिंसा, क्रोध, द्वेष इत्यादि से वशीभूत होकर व्यवहार न करें, जिससे कि हमसे किसी को भय हो। सोचने की बात है कि लकड़ी और कंडों को जलाने से तो 'पापात्मा राक्षसी' का नाश नहीं होगा न? क्योंकि 'पापात्मा राक्षसी' तो हमारे मन में बैठी हुई आसुरी वृत्तियों तथा पापजनक कर्मों की ही सूचिका है। अतः हम ज्ञान-रंग से एक-दूसरे को रंग कर, मन के कुभावों तथा कुसंस्कारों का कचरा दग्ध कर दें- यही होली और होलिकोत्सव का वास्तविक रहस्य है, प्रेरणा है। *

हास्य गजल / सूर्य कुमार पांडेय

क्या करें

उम्र ने यह की है साजिश, क्या करें?
हो गए हैं गाल किशमिश, क्या करें?
ऐसे किशमिश होने का क्या फायदा,
जब उन्हें हम कर रहे 'मिस', क्या करें?
अकड़ बॉडी में है, जाती ही नहीं,
कह रही वह, करिए वर्जिश, क्या करें?
मेन ऑफिस के ही नखरे इतने हैं,
खोल कर इक ब्रांच ऑफिस, क्या करें?
एक से ब्रेकअप, फिर दूजे से तलाक,
जानूं, तू भी निकली सेल्फिश, क्या करें?
अपने घर का है अलग ही संविधान,
कर रहे हम उनकी मालिश, क्या करें?

हास्य व्यंग्य / शरद उपाध्याय

फेसबुकिया नायिका के फाग

प्रिये, अब मन बिल्कुल बदल गया है। होली की नायिकाएं अब फीकी पड़ गई हैं। बस बार-बार फेसबुक पर चिपका हुआ तुम्हारा गुलाबी चेहरा याद आ रहा है। होली आ चुकी है। चारों ओर रंग ही रंग बिखरा पड़ा है। कल्पनाएं हिलोरे ले रही हैं। फेसबुक पर तुम्हारे टीपकर लिखे फाग पर 'लाइक' के साथ 'कमेंट' भी कर चुका हूं। तुम 'ऑफलाइन' हो, पर बार-बार दूसरों की वॉल पर 'कमेंट' की पिचकारियां फेंकती फिर रही हो, यह ठीक नहीं है। यह हमारे शाश्वत प्रेम के खिलाफ है। इससे न जाने कितने रंग भरे गुब्बारे मेरे सीने पर फूटने लगे हैं। तुम्हारे लिए ही एक पुराना 'रंगीन' फोटू, जिसमें बीवी भी नहीं पहचान पाती, फेसबुक पर चिपका रखा है। इसी के सहारे साल भर से हम रसिया गा रहे हैं। तुम्हारा जैसे ही सुंदर मुखड़ा देखते हैं, झट से लाइक कर देते हैं, और बिना पढ़े ही अच्छा सा कमेंट कर डालते हैं। अब इतने सुंदर चेहरे को देखकर भला कहां कुछ पढ़ने-लिखने का मन करता है। अब तुम भी जरा सोचो, इतने दिनों से 'ऑफलाइन' हो। अब होली के अवसर पर थोड़ा-सा डिस्काउंट तो दे दो, चंद पलों के लिए तो 'ऑनलाइन' हो जाओ। देखो, मैंने तुम्हारे लिए कितना त्याग किया है। लाख 'डिसलाइक' की स्थिति होने पर भी सैंकड़ों-हजारों बार 'लाइक' किया। यही सोचकर कि अब कुछ तो तुम्हारी तरफ से अबीर उड़ेगा। कभी तो तुम मेरे साथ फाग गाओगी। अभी-अभी तुमने होली पर जो प्रेम का रसिया वॉल पर डाला है, दसवीं कक्षा की किताब से नकल करने के बाद भी अच्छा है। हालांकि उसमें मात्राओं की कई गलतियां हैं, पर कोई बात नहीं। ये सारी बातें रंगीन भावनाओं के कारण क्षम्य हैं। पर एक बात सच-सच बताओ। ये जो तुमने 'स्टेटस', 'सिंगल' डाल रखा है, वो सच तो है ना! नहीं तो मैं बेकार ही काल्पनिक फाग गाकर होली न निकाल दूं। अब चारों ओर होली का गुलाल उड़ रहा है। मेरा मन भी कर रहा है कि तुम्हारे गोरे गालों पर थोड़ा सा अबीर मल दूं। पर एक बात का डर लगता है, तुमने फेसबुक पर जो सुंदर फोटो डाल रखा है, वो तुम्हारा ही तो है ना? तुम्हारे इस सुंदर फोटो पर विश्वास करके ही होली की धूम को छोड़कर नेट पर बैठा हूं। गूगल प्लस पर तुमने फोटो की जगह 'फूल' डाल रखा है। कहीं तुम मुझे 'फूल' तो नहीं बना रहीं? एक्स पर भी तुम न जाने किनको 'फॉलो' करती नजर आती हो। अब ये बातें सोचता हूं तो दिल बैठ जाता है।

एक बार तुमने कमेंट लिखने में 'जेंडर-मिस्टेक' कर दी तब ऐसा लगा था कि कहीं तुम्हारी आईडी 'फेक' तो नहीं है। भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि ऐसा नहीं हो। मेरा विश्वास है कि ऐसा नहीं होगा। इसीलिए तो बाहर उड़ती हुई गुलाल को छोड़कर मन की पिचकारी लिए 'ऑनलाइन' बैठा तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं। ये 'ऑफलाइन' की लंबी अंधेरी रात कब खत्म होगी। बस आ भी जाओ। किसी बात का बुरा मत मानना। इस सूने जीवन में होली का रंग तो बिखेर दो। मैं कब से नेट खोलकर बैठा हूं। बस एक बार.... तुम्हें होली की कसम! *

लघुकथा / अशोक वाधवाणी

होली है ..!

आत्माराम मित्रों के साथ होली खेलने के लिए सुबह-सुबह सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर घर से निकले। चौराहे पर देखा, ढेर सारे बच्चे पिचकारी से एक-दूसरे को रंग रहे हैं। उन्हें वहां से गुजरते देखकर बच्चे ठिठक गए। इन बच्चों में एक बच्चा जो उम्र में कुछ बड़ा था, बाकी बच्चों से बोला, 'अंकल को जाने दो। गलती से उन्हें रंग लग गया तो हमारी खैर नहीं।'

आत्माराम ने जिज्ञासावश एक बच्चे से इसका कारण पूछा तो उसने बताया, 'थोड़ी देर पहले हमने एक बुजुर्ग पर पिचकारी से रंग डाल दिया था, वे आगबबूला हो गए। हमको मारने के लिए पत्थर तक उठा लिया। हम सब डर कर भाग गए।'

यह सुनकर आत्माराम बच्चों से बोले, 'मैं तो अपने दोस्तों के साथ रंग खेलने जा रहा था। अब शुरुआत तुम बच्चों से ही करूंगा।'

आत्माराम की बात सुनकर सारे बच्चे खुशी से नाच उठे। बच्चों ने 'होली है..!' कहकर उन्हें सर से पांव तक रंग दिया। आत्माराम भी बच्चा बनकर बच्चों की खुशी में शामिल होकर नाचने-गाने लगे। रास्ते से गुजरने वाले लोग बच्चों के साथ एक बुजुर्ग की इस तरह मस्ती देखकर रुक कर देखने लगे। वे सभी अचंभित भाव से मंद-मंद मुस्करा रहे थे। *

कुंडलियां / श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

अंग-अंग में रंग

होली में मुस्काए के, करके तिरछे नैन।
बातों का रस घोल के, गोरी लूटै चैन।
गोरी लूटै चैन, नैन अपने मटकाती।
संकेतों के तीर, चला कर है मुस्काती।
कह 'कोमल' कविराय, नैन से मारे गोली।
अंग-अंग में रंग, रंगीली आई होली।।
होली आई झूम कै, मन में उठी तरंग।
अंग-अंग थिरकन लगे, बजते ढोल मृदंग।
बजते ढोल मृदंग, रंग की मस्ती छाई।
एक नया उल्लास, हास ले होली आई।
कह 'कोमल' कविराय, नैन तिरछे कर बोली।
चूक रहे क्यों आज, संग में खेलो होली।।

फागुन के दिन चार रे रसिया

होली के स्वरूप में भले ही अब काफी कुछ बदल चुका है। लेकिन इस पर्व का मूल स्वरूप लोकसंस्कृति, पुराण, प्रकृति परिवर्तन और जीवन की सकारात्मकता से जुड़ा है। रंगोत्सव, हमें न केवल अपने परिवार, आस-पड़ोस और समाज से जोड़ता है, साथ ही अपने गौरवमयी सांस्कृतिक धरोहर और लोकरंग से भी संबद्ध करता है।

लोकपर्व
सुधा रानी तैलंग

जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से भरने, रंगों का त्योहार होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और प्रीत राग की बौछार लेकर आया है। रंग पर्व के स्वागत में अमलतास और पलाश के पेड़, पुष्प गुच्छों से आच्छादित हो गए हैं। आम के पेड़ों पर बौर आ गए हैं। हर ओर प्रकृति वसंत के उत्सव में मगन नजर आ रही है।

सुनाई देते हैं फाग के मोहक सुर

वसंत ऋतु के आते ही समूचा परिवेश रंगमय हो जाता है। माघ शुक्ल पंचमी से ही ग्रामीण अंचलो में फाग गाना शुरू हो जाता है। वैसे होली के त्योहार का विधिवत आरंभ वसंत पंचमी से हो जाता है। तभी से लेकर होली तक हर उत्सवप्रेमी मन मौज-मस्ती, रंग, अबीर, ढोल-मजीरे की थाप के संग पुलकित,चंचल हो उठता है। मन गुनगुनाने लगता है, *अब दिन आए वसंती नीरे।*

हास-परिहास संग संगीत का उत्सव

होली हास-परिहास, मौज-मस्ती, व्यंग्य-विनोद का उत्सब है। अबीर- गुलाल के रंगों की इंद्रधनुषी फुहार, टेसू के केसरिया रंग, भांग, ठंडाई और गुझियों की मिठास के संग होली के हुरियारों और मसखरों की टोली, घर-घर से लकड़ियां और चंदा मांगते बच्चे, ढोल, डफली, झांझर और मांदल के उमगते सुरों में फाग के फड़, फगुआ, होरी गारी गीत और लोक गीतों की सुर संगीत लहरियों के संग, चहुंओर उल्लास और खुशियों के रंग भर देती है। खासकर ग्रामीण अंचल में फागें समूचे परिवेश को रंगमय-संगीतमय कर देती हैं-

फागुन आयो फागुन आयो रे,
रंग दे रसिया,
होली खेलूं रसिया, फागुन आयो।

तन-मन हो उठता है पुलकित

फागुन की दस्तक ही तन-मन को पुलकित कर देती है। होली में रंग-गुलाल की मस्ती छा जाती है। होली के दिन, लोग एक-दूजे को गले लगाते गुलाल का तिलक लगाकर शुभकामनाएं देते हैं और सामाजिक समरसता, सद्भाव के रंग बिखेरते हुए मजीरों की थाप पर जमकर थिरकते हैं। होली में युवाओं के संग बच्चों और बड़ों का हुजूम गलियों, चौराहों और सड़कों में मस्ती, उल्लास और उत्साह के संग चारों ओर सतरंगी रंगों को बिखेरता हुआ दिखाई देता है। बच्चों की टोली की मौज-मस्ती, हुड़दंग के संग एक-दूजे पर पिचकारी के रंगों की बौछार से समूचा परिवेश रंगमय हो जाता है।

जुड़ी हैं कई सांस्कृतिक मान्यताएं

भारतीय संस्कृति में होली का पौराणिक महत्व भी है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। अन्याय पर न्याय की और असत्य पर सत्य का प्रतीक लोक पर्व भी है। पुराणों के अनुसार प्रथम पुरुष मनु का जन्म भी इसी तिथि पर हुआ था। इसीलिए इसे मन्वादितिथि भी कहा जाता है। भगवान शंकर के द्वारा अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म करने के कारण इसे मदनोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। प्रकृति के अंगड़ाई लेते ही वसंत उत्सव के बाद नए अनाज के आगमन की खुशी में नव शस्येष्टि पर्व के रूप में मनाए जाने का उल्लेख प्राचीन ग्रंथो में भी मिलता है। होलिका दहन वैदिक सोम यज्ञ की परंपरा का वाहक है। फाल्गुन पूर्णिमा पर अन्न पकने पर जौ और गेहूं की बालियों को देवताओं को समर्पित करने के बाद ही उपभोग करने की परंपरा रही है। यह परंपरा आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है। साथ ही होली में मंत्रोच्चारण के साथ गेहूं, चने की बालियां, नव अन्न के साथ धृत, पुष्प, जड़ी-बूटियां, गोबर के उपले, कंडे और सुगंधित द्रव्यों को अग्नि में समर्पित कर वातावरण को शुद्ध, परिष्कृत करके धूम्र कण बादलों को आमंत्रण देते हैं और वर्षा होती है। साथ ही होलिका दहन से अहंकार, ईर्ष्या और बुराइयों का विसर्जन होकर समूचे परिवेश मे सौहार्दता और प्रेम का बातावरण निर्मित होता है।

मथुरा में फूलों वाली होली खेलते स्थानीय लोग

विश्वप्रसिद्ध ब्रज मंडल की होली

होली का लोक पर्व पूरे देश में कई तरह के रंग बिखेरता है। लेकिन विशेष रूप से इस पर्व का ब्रज से गहरा नाता है। मथुरा, वृंदावन, ब्रज मंडल के मंदिरों में फाग के रंगों की फुहार और फूलों की बौछार तो समूचे विश्व के पर्यटकों और श्रद्धालुओं को बरबस ही आकर्षित करती है। जिस तरह द्वापर युग में ब्रज में होरी खेलते हुए भगवान श्री कृष्ण और उनके सखा, गोपियों के संग राधा को रंगों में सराबोर कर देते हैं। वो परंपरा आज भी चली आ रही है।

रंगोत्सव और उसमें निहित संदेश

होली के रंग जीवन में खुशियों के रंग भर देते हैं, चारों ओर, प्रेम, एकता के रंग बिखर जाते हैं। वैर भाव छोड़ सब एक-दूजे को प्रेम के रंग से रंग देते हैं। स्नेह प्रेम रंग में रंगे प्रेमी के लिए पूरा संसार ही रंगमय हो जाता है। होलिका दहन के दूसरे दिन धुलेंडी में उड़ती गुलाल और अबीर से पूरा आसमान ही सतरंगा हो जाता है। तभी तो हुरियारे कह उठते हैं, उड़त गुलाल लाल भए अंबर।

पौराणिक मान्यता के अनुसार होली में समूचे आसमान में गुलाल, अबीर का रंग उड़ाने से रजोगुण और तमोगुण के प्रभाव कम होकर उत्सव का सात्विक स्वरूप निखरता है और देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। मान्यता है, इस दिन रंग और अबीर से खेलने पर नकारात्मकता का विनाश होता है और निराशा दूर होती है। मन के विकार दूर होते हैं। चारों ओर सकारात्मक प्रवाह आता है। गुलाल के स्पर्श से लोगों के व्यक्तित्व और विचारों में सकारात्मकता आती है। होली के रंग हमें प्रेरित करते हैं कि हम अपने और दूसरों के जीवन को भी खुशियों से सराबोर रखें।

उल्लास
भूपसिंह 'भारती'

होळी की खुम्मारी

बरसाओ रंग-गुलाल, होळी सै मतवारी।
होळी म्हं कस कै मार, यार तू पिचकारी।।
खेलै होळी छैल-छबीली,
गोरी हो गई रंग-रंगीली,
अंगिया काळी-पीळी, हुई बलमा म्हारी।
फागण आयो यो मस्तानों,
मस्त अदा कर री दीवानों,
दूंगी भोत उल्हाणों, करी जो बदकारी।
बलमा खेलण आयो होळी,
कस कै भरली मोरी कोळी,
रंगग्यो दामण चोली, मार कै पिचकारी।
होळी को यो गजब अखाड़ों,
बजै 'भारती' ढोल नगाड़ों,
माड़ो होग्यो जाड़ो, होळी की खुम्मारी।

रंगों का संबंध केवल होली खेलने से ही नहीं होता है। कौन-सा रंग आपको पसंद है, इससे आपके मिजाज और व्यक्तित्व के राज का भी पता चलता है, कैसे बता रहे हैं आपको।

रंगों की पसंद बताती है आपके मिजाज का राज

पर्सनालिटी
शिखर चंद जैन

समाज शास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों की मानें तो किसी व्यक्ति की रंग की पसंद से उसके व्यक्तित्व और स्वभाव का काफी हद तक पता लगाया जा सकता है।

सफेद रंग: सफेद रंग अधिक पसंद करने वाले दूरदर्शी और आशावादी माने जाते हैं। ये लोग प्लानिंग करने में माहिर होते हैं, इसलिए अधिकतर कार्यों में सफलता प्राप्त करते हैं। ये लोग वर्कलाइफ और पर्सनल लाइफ में अच्छा बैलेंस बनाए रखते हैं। जो सफेद रंग पसंद करते हैं, वे शांति प्रिय होते हैं। नए लोगों से जल्दी मित्रता नहीं बढ़ाते हैं। किसी भी नए स्थान पर या नए लोगों के बीच सहज महसूस नहीं करते क्योंकि ये संकोची स्वभाव के होते हैं।

लाल रंग: लाल रंग पसंद करने वाले हमेशा सजग रहते हैं। इनके जीवन में प्रेम का बहुत अधिक महत्व होता है। ये लोग अच्छे प्रेमी सिद्ध हो सकते हैं। लाल रंग उत्साह और जोश का प्रतीक है और इसी वजह से इसे पसंद करने वाले जोशीले होते हैं। ये लोग जीवन को पूरे उत्साह के साथ जीते हैं। दूसरों के स्वभाव को बहुत जल्दी समझ लेते हैं और स्वयं को उसके मुताबिक एडजस्ट कर लेते हैं।

पीला रंग: पीले रंग के शौकीन आमतौर पर हंसमुख स्वभाव वाले होते हैं। ये जीवन को सकारात्मक रूप में जीते हैं। ये लोग नए विचारों को अपनाने में यकीन रखते हैं। खुले मन के होने के कारण ये दूसरों को सही मार्गदर्शन देते हैं। सभी की मदद के लिए तैयार रहते हैं। विपरीत समय में भी यह ईमानदारी के साथ कार्यों में लगे रहते हैं और अपनी विल पावर के बूते सफल हो जाते हैं।

नीला रंग: नीले रंग को पसंद करने वाले स्वाभिमानी होते हैं। ये मदद लेना पसंद नहीं करते हैं। अपने प्रेमी को पूरा समय देते हैं और उसकी जरूरतों का ध्यान रखते हैं। इन्हें भरोसेमंद माना जा सकता है। किसी का विश्वास नहीं तोड़ते हैं और किसी अन्य व्यक्ति पर आसानी से विश्वास भी नहीं करते हैं। मित्रता करने से पहले पूरी सावधानी रखते हैं और जब इन्हें यह सुनिश्चित हो जाता है कि व्यक्ति मित्रता करने योग्य है, तब ही मित्रता करते हैं। अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह पूरी शिद्दत से करते हैं।

हरा रंग: हरे रंग के दीवाने डाउन टू अर्थ स्वभाव वाले होते हैं। हर परिस्थिति में अपने स्वभाव को बनाए रखते हैं। सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी सामान्य इंसान की भांति बने रहते हैं। यदि इनके आस-पास कोई दुखी व्यक्ति होता है तो उसके दुख बांटने का प्रयास करते हैं। ये बहुत शांतिप्रिय इंसान होते हैं। जिस प्रकार हरा रंग आंखों को सुखद अहसास देता है, ठीक वैसा ही स्वभाव हरा रंग पसंद करने वाला भी होता है।

गुलाबी रंग: जिन लोगों को गुलाबी रंग अधिक पसंद होता है, वे जीवनसाथी के प्रति काफी भावुक होते हैं और जीवन साथी का ध्यान रखने वाले होते हैं। इनके मित्रों की संख्या भी अधिक रहती है। मित्रों से विशेष स्नेह प्राप्त करते हैं। सभी लोगों से प्रेम से मिलते हैं। इनका स्वभाव काफी रोमांटिक होता है। ये लोग दूसरों के गुणों पर अधिक ध्यान देते हैं और बुराइयों को अधिकतर नजरअंदाज करते हैं।

भूरा रंग: जिन लोगों को ब्राउन (भूरा) कलर प्रिय होता है, वे लोग आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होते हैं। सफलता मिलने के बाद भी घमंड और अहंकार से दूर रहते हैं। इनका स्वभाव मित्रतापूर्ण और विनम्र रहता है, इस कारण अधिक सफल होने के बाद भी लोग सरल होते हैं। दूसरों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। दूसरे के दुखों को दूर करने का प्रयास करते रहते हैं। दूसरों को इनका साथ बहुत प्रिय होता है। कठिन परिस्थितियों को काबू करने के लिए धैर्य और मेहनत का सहारा लेते हैं। सूझ-बूझ से विपरीत हालातों से बाहर आ जाते हैं।

जामुनी रंग: जामुनी रंग पसंद करने वाले लोगों के स्वभाव में रचनात्मकता होती है, इस कारण किसी भी काम को अलग-अलग तरीके से करने में इन्हें मजा आता है। इन्हें भीड़ का हिस्सा बनना पसंद नहीं होता है। भीड़ से अलग काम करने पर अधिक विश्वास रखते हैं। ये लोग दूसरों की नकल करना पसंद नहीं करते हैं और ना ही ये चाहते हैं कि कोई इनके कामों की नकल करे। ये दूरदर्शी भी होते हैं।

काला रंग: जिन लोगों को काला रंग पसंद होता है, वे थोड़े रूढ़िवादी हो सकते हैं। साथ ही, इन लोगों को गुस्सा भी बहुत जल्दी आता है। इन्हें किसी भी काम में कोई बदलाव पसंद नहीं होता है। किसी भी प्रकार का बदलाव आसानी से स्वीकार नहीं कर पाते हैं। ये लोग अपनी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं। इन्हें लोगों से उचित दूरी बनाए रखना पसंद होता है।

उमंग-तरंग

मीठी-मीठी यादों के बीच प्रेम के प्यारे-प्यारे रंग

होली का पर्व हर कोई बहुत उत्साह-उमंग से मनाता है। छोटे पर्दे के कलाकार भी इसमें पीछे नहीं रहते। इनकी सबसे मीठी यादगार होली कब और क्यों रही? होली के पर्व को ये किस नजरिए से अहम मानते हैं? इस बार होली कैसे मनाएंगे? बता रहे हैं, चर्चित टीवी शोज के कुछ प्रमुख कलाकार।

होली पर किसी को भी छेड़ सकते हैं : विभव रॉय

इन दिनों स्टार भारत पर आ रहे शो 'शैतानी रस्में' में विभव रॉय राजकुमार पीयूष के लीड रोल में नजर आ रहे हैं। होली का जिक्र होने पर वह अपनी पिछले साल की होली याद करते हुए बड़े उत्साह से बताते हैं, 'अपनी पिछली होली मैंने यूएस में अपने भांजे के साथ मनाई थी। जहां हमने स्विमिंग पूल में रंग मिलाकर उसमें होली खेली और खूब मस्ती की थी। उस दिन मेरी बहन ने अपने हाथों से सभी के लिए गुझिया बनाई थी, जो बहुत टेस्टी थी। गुझिया के साथ ढेर सारे कैंडी, चॉकलेट्स भी सभी के लिए रखे गए थे। सबने मजे से खाया। मैं अपनी पर्सनल लाइफ में भी एक प्रैंक्स्टर हूं। सभी से हंसी-मजाक करता रहता हूं। होली से जुड़ी मुझे सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इस दिन आप किसी के भी रंग लगा सकते हैं, उसे छेड़ सकते हैं, उसके साथ मजाक-मस्ती कर सकते हैं। होली एक ऐसा दिन है, जब आपको अपनों के साथ हंसने-हंसाने का मौका मिलता है। इस होली पर मैं अपने शो 'शैतानी रस्में' की शूटिंग में बिजी रहूंगा, लेकिन शूटिंग के बाद अपने को-स्टार्स और क्रू मेंबर्स से साथ होली जरूर मनाऊंगा। आप सभी को होली की शुभकामनाएं!'

रंग सबसे खूबसूरत जरिया हैं, अपने परिजनों से मिलने का : गरिमा परिहार

आजकल सोनी सब के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में गरिमा परिहार ने दीप्ति पारीख पटेल के किरदार में खूब रंग जमा रखे हैं। होली का जिक्र आते ही वह अपनी पिछले साल की खेली होली याद करती हैं,'बीते साल मैंने शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' की पूरी टीम के साथ बड़ी ही धूमधाम से होली खेली थी। असल में होली खेलना हमारे शो के एक सीक्वेंस का हिस्सा था। इसकी शूटिंग के दौरान जब भी हमें ब्रेक मिलता था, हम सभी एक-दूसरे पर पिचकारी चलाने लगते थे। जब पिचकारी से बात नहीं बनती तो बाल्टियों से भर-भर कर एक-दूसरे पर रंग वाला पानी डालते। यह सिलसिला करीब बारह घंटे चला, हमने खूब मस्ती की। मुझे होली से जुड़ी सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इस दिन सभी लोग एक हो जाते हैं। भले ही हम अपनों से दूर क्यों न हों, लेकिन कोशिश यही रहती है कि होली के दिन सब मिलें। इस त्योहार पर रंग सबसे खूबसूरत जरिया हैं, अपने परिजनों से मिलने का। इस बार की होली मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि होली वाले दिन ही मेरा जन्मदिन है। इस साल मैं अपना जन्मदिन, होली त्योहार के साथ मनाऊंगी।

सारे गिले-शिकवे भुलाकर प्रेमपूर्वक रंग खेलने का दिन : स्वाति शर्मा

चैनल शेमारू उमंग के नए शो 'चाहेंगे तुम्हें इतना' में स्वाति शर्मा ने आशी के किरदार में सबका दिल जीत लिया है। वह होली से जुड़ी अपनी यादें ताजा करते हुए बताती हैं, 'होली मेरा सबसे पसंदीदा त्योहार है। मेरी सबसे यादगार होली तब की है, जब हम कई साल पहले अपने नए घर में शिफ्ट हुए थे। हमारे पड़ोस में तब कोई रहने नहीं आया था। हमने बगल वाले अंडरग्राउंड टैंक से बकेट से पानी निकालकर, उसमें कलर मिलाकर जमकर होली खेली थी। लेकिन जब मम्मी-पापा को हमारी शरारत पता चली, हमें खूब डांट पड़ी कि हमने इतना ढेर सारा पानी बर्बाद क्यों किया। तब बचपना था, लेकिन अब इस बात को हम अच्छे से समझते हैं कि होली में पानी बर्बाद नहीं करना चाहिए। अब तो हम सबसे कहते हैं, 'होली सिर्फ सूखे रंगों से ही खेलें, पानी बर्बाद न करें।' हमें होली की सबसे प्यारी बात यह लगती है कि इस त्योहार के दौरान हम अपने सारे गिले-शिकवे भूलकर आपस में प्रेम पूर्वक रंग खेलते हैं, गले मिलते हैं। इस बार की होली मैं शो 'चाहेंगे तुम्हे इतना' के सेट पर अपने कास्ट और क्रू के साथ मनाऊंगी।'

समावेशी भावना होली को सुंदर-अनोखा उत्सव बनाती है : राकेश बेदी

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाभीजी घर पर हैं' में भूरे लाल का किरदार निभा रहे राकेश बेदी से जब होली की बात होती है तो उन्हें अपने बचपन के दिनों में होली पर की गई शरारतें याद आ जाती हैं। वह बताते हैं, 'होली पर हम बच्चे पानी की बंदूकें और रंगीन पानी की बाल्टियां लेकर बैठ जाते थे, जैसे ही कोई पड़ोसी अपने घर से बाहर निकलता, हम उस पर हमला बोल देते। हमारे पड़ोसियों में एक रूड अंकल थे। हमने उनके साथ मजाक करने का साहस किया। हम बच्चों ने जाकर उनके घर की डोर बेल बजाई, जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला, हमने रंगों से भरी बाल्टी उन पर उड़ेल दी और छिपने के लिए भागे, लेकिन अंकल जी गुस्से में आने के बजाय घर के भीतर गए, अपनी रसोई से सूखे आटे की थैली उठा लाए और हमारे ऊपर छिड़कने लगे। इस मस्ती में दूसरे पड़ोसी भी शामिल हो गए। सबको खूब मजा आया। होली के पर्व को सभी उम्र, पृष्ठभूमि और सामाजिक वर्गों के लोग एकसाथ मनाते हैं। ऐसी समावेशी भावना होली को एक सुंदर और अनोखा उत्सव बनाती है।'

प्रस्तुति : हरिभूमि फीचर्स

फिल्मों में होली के रंग खूब बिखरे हैं। दर्शकों के लिए होली एक विशेष आकर्षण रही है, विशेषकर होली के गीत। फिल्मों में होली, कहानी को आगे बढ़ाने या टर्निंग प्वाइंट लाने में बहुत कारगर साबित हुई है। फिल्मों में होली के रूप पर एक नजर।

फिल्मों में भी खूब बिखरे हैं होली के रंग

फिल्म-जगत / अशोक जोशी

होली के रंग हमारे बीच ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी दिखाई देते हैं। बॉलीवुड के कई निर्माता-निर्देशकों ने अपनी फिल्मों में होली के सतरंगी रंग बिखेरे हैं। फिल्मों में ये रंग कभी बदले या फिर विरह के रूप में दिखते रहे हैं। इनसे इतर प्रेम के गहरे रंग को भी कई बार होली के माध्यम से पर्दे पर दिखाकर दर्शकों के दिलों की धड़कनें बढ़ाई हैं। फिल्म के कथानक के साथ होली-गीतों को भी फिल्मों में बहुत खूबसूरत रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। कई फिल्मों में होली के गीत इतने लोकप्रिय हुए कि आज भी होली के मौके पर दिनभर सुनाई देते हैं।

काफी पुराना है इतिहास: जहां तक फिल्मों में होली के दृश्यों की बात है तो इसका इतिहास काफी पुराना है। दिलीप कुमार की पहली फिल्म 'ज्वार भाटा' में होली नजर आई थी। फिल्म के निर्देशक अमिय चक्रवर्ती ने 1944 में होली के दृश्य शूट करके एक इतिहास रचा था। इसके बाद दिलीप कुमार की फिल्म 'आन', 'कोहिनूर' और 'सौदागर' में भी होली के रंग देखने को मिले। इसके बाद भी फिल्मों में होली नजर आती रही।

फिल्मों में होली के यादगार गीत: एक समय ऐसा आया जब फिल्मों में होली के गीत फिल्म का विशेष आकर्षण बन गए। फिल्मकार यश चोपड़ा ने तो इसमें उस दौर के निर्देशकों को बहुत पीछे छोड़ दिया था। अपनी फिल्म 'सिलसिला' में उन्होंने 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' होली का एक लोकप्रिय गीत दिया। इसके बाद 'मशाल' में 'होली आई, होली आई, देखो होली आई रे', 'डर' में 'अंग से अंग लगाना' और बाद में 'मोहब्बतें' में उनके बेटे निर्देशक आदित्य चोपड़ा ने 'सोनी-सोनी अंखियों वाली, ' में बड़े पर्दे पर होली के रंग बिखेरे। फिल्म 'मदर इंडिया' का गाना 'होली आई रे कन्हाई' आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा 'नवरंग' का 'जा रे हट नटखट' और 'लम्हे' का 'मोहे छेड़ो न नंद के लाला' गाने ने भी होली का फिल्मों में प्रतिनिधित्व किया।

फिल्म 'मोहब्बतें' में कोएक्टर्स के साथ शाहरुख

फिल्म 'बागबान' में अमिताभ के साथ हेमा

'शोले' में मस्ती के रंग में धर्मेंद्र-हेमा

स्टार्स ने खूब बिखेरे होली के रंग : फिल्मों में होली का रंग बिखेरने में स्टार्स खूब आगे रहे। इनमें अमिताभ-रेखा पर फिल्माया गया गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' आज भी याद किया जाता है। इस गीत के लंबे समय बाद अमिताभ ने हेमा मालिनी के साथ 'बागबान में 'होली खेले रघुवीरा' के जरिए एक बार फिर रुपहले पर्दे को रंगीन किया। अमिताभ, विपुल शाह की 'वक्त' में अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के साथ 'डू मी, फेवर, लेट्स प्ले होली' गाते हुए भी खूब जंचे। हिंदी फिल्मों की एक और जोड़ी, धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने होली को फिल्मों में ऐतिहासिक बनाया है। इस जोड़ी पर फिल्माया फिल्म 'शोले' का गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' हिट रहा फिर इस जोड़ी ने फिल्म 'राजपूत' में 'भागी रे भागी रे भागी ब्रजबाला, कान्हा ने पकड़ा रंग डाला'गाकर भरपूर होली खेली। बॉलीवुड में 'होली' और 'होली आई रे' नाम से और 'फागुन' नाम से दो फिल्मों का निर्माण हो चुका है।

'डर' में सनी देओल-जूही चावला

फिल्मी कथा में होली का तरह-तरह से उपयोग: फिल्मों में होली से जुड़ा दिलचस्प पहलू यह भी है कि जहां कुछ फिल्मकारों ने होली को फिल्म की कहानी आगे बढ़ाने के लिए उपयोग किया, तो कुछ ने टर्निंग प्वाइंट लाने के लिए। कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने इसे सिर्फ मौज-मस्ती और गाने फिट करने के लिए फिल्म में डाला। फिल्मकार राजकुमार संतोषी ने अपनी फिल्म 'दामिनी' में होली के दृश्य का उपयोग फिल्म में टर्निंग प्वाइंट लाने के लिए किया, जबकि 'आखिर क्यों' के गाने 'सात रंग में खेल रही है दिल वालों की होली रे' और 'कामचोर' के 'मल दे गुलाल मोहे' में इनके जरिए फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाया गया।

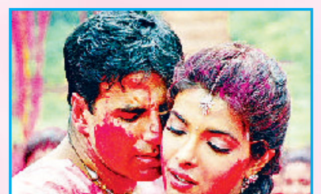

'वक्त' में अक्षय-प्रियंका चोपड़ा

नायकों ने नायिकाओं के जीवन में भरे रंग: कई फिल्मों में नायक होली के माध्यम से नायिकाओं के जीवन में रंग भरने की कोशिश करते भी दिखे। फिल्म 'धनवान' में राजेश खन्ना ने रीना रॉय के लिए 'मारो भर-भर पिचकारी' तो 'फूल और पत्थर' में धर्मेंद्र, मीना कुमारी के लिए 'लाई है हजारों रंग होली' गाते दिखे। इसी तरह फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माए गाने 'आज न छोड़ेंगे बस हमजोली' ने आशा पारेख को अपने अतीत की याद दिला दी थी।

अब कम दिखते हैं होली के रंग: अब फिल्मों में रुचि रखने वाले दर्शकों की पसंद काफी बदल चुकी है। कभी-कभी ही फिल्मों से होली गीत दिखते हैं। बीते बरस की फिल्मों में 'जॉली एलएलबी-2' में अक्षय कुमार और हुमा कुरैशी पर फिल्माया एक होली गाना दिखाई दिया था। लेकिन वास्तविकता यही है कि आजकल की फिल्मों में होली के रंग फीके पड़ गए हैं।